▪ RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 220 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 10-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 मोदी सरकार का दृष्टिकोण 'पहले घोषणा करें, उसके बाद सोचें' है : कांग्रेस

6 निशांत के लिए नीतीश बनना इतना आसान नहीं

7 महिलाओं के लिए खास मुहिम, 'सेल्फी लो, शाइन करो' में दिखेंगी शिल्पा शिंदे

फर्स्ट टेक

भारत और सेशेल्स के बीच नौ से 20 मार्च तक सैन्य अभ्यास : रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अंगों की एक टुकड़ी 9 से 20 मार्च तक सेशेल्स की सेनाओं के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास में भाग ले रही है, जिसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच तालमेल को बढ़ाना है। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह अभ्यास लामितिये सेशेल्स रक्षा अकादमी में आयोजित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''भारतीय सशस्त्र बलों के तीनों अंगों (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) की भागीदारी के साथ यह संस्करण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सैन्य टुकड़ी में असम रेजिमेंट के जवान, भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना के जवान शामिल हैं, जिनमें 'आईएनएस त्रिकंद' और एक सी-130 विमान भी शामिल है।''

मीशो को आयकर विभाग से मिला 1,500 करोड़ रुपए का मांग नोटिस

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो को आयकर विभाग से लगभग 1,500 करोड़ रुपए की कर मांग का नोटिस मिला है। कंपनी ने इस नोटिस को चुनौती देने का निर्णय लिया है। मीशो ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि उसे छह मार्च को आकलन वर्ष 2023-24 के लिए आयकर विभाग से यह नोटिस मिला। इसमें विभाग की आकलन इकाई ने ब्याज सहित कुल 1,499.73 करोड़ रुपए की कर मांग रखी है। नियामकीय सूचना के मुताबिक, यह कर मांग कंपनी द्वारा घोषित आय में कुछ बढ़ोतरी और समायोजन को आधार बनाते हुए जारी किया गया है। मीशो ने कहा कि वह इस आकलन आदेश की समीक्षा कर रही है और उसमें की गई टिप्पणियों और समायोजनों से सहमत नहीं है।

भारत ने बहरीन में अपने नागरिकों से सतर्क रहने का आग्रह किया

दुबई/भाषा। भारत ने बहरीन में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए सोमवार को एक परामर्श जारी कर क्षेत्र में मौजूदा स्थिति को देखते हुए सतर्क रहने, उचित सावधानी बरतने और स्थानीय अधिकारियों के सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन करने का आग्रह किया। बहरीन स्थित भारतीय दूतावास ने एक परामर्श में कहा, ''भारतीय नागरिकों से अनुरोध है कि वे बहरीन स्थित भारतीय दूतावास और स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी अद्यतन जानकारी और सलाह का पालन करें।'' परामर्श में कहा गया है कि बहरीन स्थित भारतीय दूतावास सामान्य रूप से कार्य कर रहा है।

ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा केंद्र : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सोमवार को आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और आवश्यक संसाधनों की किसी भी कमी को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठा रही है।

फडणवीस ने यहां विधानभवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि केंद्र सक्रिय रूप से ऊर्जा स्रोतों का प्रबंधन कर रहा है और दुनिया के घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है।

संभावित ईंधन की कमी के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, सभी प्रकार के उपाय किए जा रहे हैं, ताकि किसी भी चीज की कमी न हो। किसी को भी अफवाहें नहीं फैलानी चाहिए या अफवाहों पर भरोसा नहीं करना चाहिए। अगर हम अफवाहों के आधार पर जमाखोरी करना शुरू कर देंगे, तो स्थिति सभी के लिए खराब हो जाएगी, क्योंकि इससे मांग और आपूर्ति शृंखला गड़बड़ा जाएगी।''

इराक, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात ने अपने तेल उत्पादन में कटौती की है, जबकि ईरान, इजराइल और अमेरिका ने इस महीने की शुरुआत में पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से तेल और गैस सुविधाओं पर हमला किया है, जिससे आपूर्ति संबंधी चिंताएं बढ़ गई हैं। कच्चे तेल की कीमतें सोमवार को 26 प्रतिशत अधिक बढ़कर 10,549 रुपये प्रति बैरल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गईं।

रुपया अपने सबसे निचले स्तर 92.35 प्रति डॉलर पर

मुंबई/भाषा। पश्चिम एशिया के बिगड़ते हालात के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और डॉलर के मजबूत होने से सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 53 पैसे टूटकर 92.35 प्रति डॉलर (अस्थायी) के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली के बीच विदेशी पूंजी की निकासी जारी रहने से रुपए पर खासा दबाव देखा गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया 92.22 पर खुला और थोड़ी देर के लिए मजबूत होकर 92.15 तक पहुंच गया। लेकिन बाद में लगातार गिरावट के बीच यह अंत में 92.35 के अपने रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 53 पैसे की कमजोरी है। इससे पहले शुक्रवार को रुपया 18 पैसे गिरकर 91.82 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, कमजोर वैश्विक बाजार और कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आए तेज उछाल के कारण रुपया शुरुआत में ही काफी कमजोर खुला और 92.35 के नए रिकॉर्ड निचले स्तर तक खिसक गया।

तमिलनाडु को 'निगलना' चाहती है 'भगवा भीड़' : स्टालिन

द्रमुक इसकी अनुमति नहीं देगी : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुचिरापल्ली (तमिलनाडु)/भाषा। सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष और मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को आरोप लगाया कि 'भगवा भीड़' दक्षिणी राज्य को 'निगल' जाना चाहती है, लेकिन उनकी पार्टी ऐसा करने की अनुमति नहीं देगी।

स्टालिन ने यहां पार्टी के एक विशाल सम्मेलन को संबोधित करते हुए अपने प्रतिद्वंद्वी दल अन्नाद्रमुक के प्रमुख एडप्पाडी के. पलानीस्वामी पर तीखा हमला करते हुए उन पर मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए भाजपा का 'गुलाम' बनने का आरोप लगाया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पद छोड़ने की संभावना को देखते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कभी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का मुख्यमंत्री नहीं रहा और जनता दल-यूनाइटेड (जद यू) के दिग्गज नेता को आगे कर चुनाव जीतने के बाद 'अब उन्हें दरकिनार कर दिया गया है।'

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि 'भगवा भीड़' (जो स्पष्ट रूप से भाजपा की ओर इशारा था) तमिलनाडु को 'निगलना' चाहती है, लेकिन द्रमुक ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में जीत दर्ज करने के लिए भाजपा धीरे-धीरे 'अन्नाद्रमुक' को निगल रही है।

उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का प्रवेश नहीं होगा और जब तक द्रमुक सरकार की कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी, तब तक वे राज्य पर शासन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, ''तमिलनाडु में राजग का प्रवेश नहीं होगा, राज्य में राजग के निकम्मे इंजन का कोई प्रवेश नहीं होगा... जब तक हमारी सरकार की कल्याणकारी योजनाएं लागू रहेंगी, एम. के. स्टालिन तमिलनाडु पर शासन करेंगे।'' उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में द्रमुक, भाजपा के 'अन्नाद्रमुक' रूपी मुखौटे को उतार फेंकेगी और उसका पर्दाफाश करेगी।

शिक्षा को अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों से जोड़ने की प्रक्रिया तेज करनी होगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को देश की शिक्षा व्यवस्था को अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करने का आह्वान करते हुए कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) और स्वचालन जैसे विषयों पर विशेष ध्यान देना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 के बजट पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना उनकी सरकार का मूल उद्देश्य है और शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल एवं संस्कृति जैसे क्षेत्र इसे साकार करने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। उन्होंने कहा, लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना केवल एक विषय नहीं है, बल्कि यह इस सरकार का प्रमुख उद्देश्य एवं संकल्प है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में शिक्षा को रोजगार और उद्यमिता से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) बाजार की मांग और वास्तविक अर्थव्यवस्था के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करने की मजबूत आधारशिला प्रदान करती है, खासकर एआई, स्वचालन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों में। हमें शिक्षा व्यवस्था को अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों से जोड़ने की प्रक्रिया को और तेज करना होगा।'' उन्होंने शिक्षा, रोजगार और उद्यमिता के बीच संबंध का उल्लेख करते हुए एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट, गेमिंग एवं कॉमिक्स (एवीजीसी) क्षेत्र को बढ़ावा देने की भी जरूरत पर बल दिया।

- **लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना सरकार का मूल उद्देश्य है और शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल एवं संस्कृति जैसे क्षेत्र इसे साकार करने के महत्वपूर्ण माध्यम हैं।**
- **हमें शिक्षा व्यवस्था को अर्थव्यवस्था की वास्तविक जरूरतों से जोड़ने की प्रक्रिया को और तेज करना होगा।**

भारत के नवाचार-आधारित अर्थव्यवस्था की तरफ कदम बढ़ाने का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और शोध आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने का आह्वान किया, ताकि छात्रों को वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके। उन्होंने कहा कि इस वेबिनार में परिसरों को उद्योग सहयोग और शोध आधारित शिक्षा के केंद्र के रूप में विकसित करने पर मंथन होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''ऐसा वातावरण तैयार किया जाना चाहिए, जहां युवा शोधकर्ताओं को नए विचारों पर काम करने और प्रयोग करने का पूरा अवसर मिल सके।''

सेंसेक्स 1,353 अंक फिसला, निफ्टी भी भारी नुकसान में

मुंबई/भाषा। स्थानीय शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 1,353 अंक का गोता लगा गया, जबकि एनएसई निफ्टी 422 अंक लुढ़क गया। पश्चिम एशिया में गहराते संकट के बीच वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख के साथ भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया। कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी और डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर में गिरावट से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,352.74 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 77,566.16 अंक पर बंद हुआ।

पेट्रोल, डीजल के दाम फिलहाल नहीं बढ़ेंगे

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक बाजार में कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने के बावजूद फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं की जाएगी। सरकारी सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही। अधिकारियों ने कहा कि सरकार वैश्विक तेल बाजारों पर नजर रख रही है, लेकिन खुदरा ईंधन की कीमतों में तत्काल वृद्धि की कोई योजना नहीं है। ऐसी संभावना है कि तेल विपणन कंपनियां फिलहाल मौजूदा लागत दबाव को वहन करेंगी।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में तेज वृद्धि हुई है। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ी है। सूत्रों ने बताया कि जमाखोरी को रोकने के लिए घरेलू एलपीजी सिलेंडर भराने के लिए बुकिंग की न्यूनतम प्रतीक्षा अवधि 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। उन्होंने बताया कि एक औसत परिवार एक वर्ष में 14.2 किलोग्राम के सात से आठ एलपीजी सिलेंडर का उपयोग करता है और आमतौर पर उन्हें छह सप्ताह से कम समय में उसे भराने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। सूत्रों के अनुसार, जमाखोरी और बाजार में जानबूझकर कमी की स्थिति उत्पन्न होने से रोकने के लिए सिलेंडर भराने के लिए बुकिंग अवधि बढ़ाई गई है। उन्होंने बताया कि पेट्रोलियम कंपनियों के पास एलपीजी का पर्याप्त भंडार है।

10-03-2026 सूर्यास्त 6:29 बजे | 11-03-2026 सूर्योदय 6:29 बजे

BSE	NSE
77,566.16	24,028.05
(-1,352.74)	(-422.40)

सोना	चांदी
16,647 रु.	273,795 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दौर पर ग़ौर

रिश्वतखोरी हो गई आम,
मंहगाई की लग रही झड़ी।
रुजगार लापता शहरों से,
वादों की रपटें घड़ी-घड़ी।
असमंजस में बैठे किसान,
उम्मीदें उनको बड़ी-बड़ी।
नेता निंदा में लगे पड़े,
जनता की दिखती खाट खड़ी।।

ईरान ने खामेनेई के बेटे मुजतबा को सर्वोच्च नेता नामित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद उनके बेटे मुजतबा खामेनेई को सोमवार को देश का अगला शासक नामित किया गया।

देश की 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने उनका चुनाव किया है। मुजतबा (56) के देश के अर्धसैनिक बल रिवॉल्यूशनरी गार्ड से करीबी संबंध हैं। रिवॉल्यूशनरी गार्ड युद्ध की शुरुआत के दौरान 28 फरवरी को अयातुल्ला अली खामनेई (86) की मौत के बाद से इजराइल और खाड़ी के अरब देशों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले कर रहा है।

मुजतबा को उनके पिता से भी ज्यादा कट्टर विचारों वाला माना जा रहा है। वह युद्ध शुरू होने के बाद से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। उन्हें उनके पिता की मौत से भी पहले से उनका उत्तराधिकारी माना जा रहा था। अयातुल्ला पर हुए हमले में ही मुजतबा की पत्नी जेहरा हद्दाद आदेल की भी मौत हो गई थी। ईरान के राजनीतिक जानकारों ने वंशानुगत तरीके से मुजतबा को सर्वोच्च नेता चुने जाने की आलोचना की है।

इजराइल पहले ही कह चुका है कि मुजतबा उनके निशाने पर हैं जबकि ट्रंप ने उन्हें ''अस्वीकार्य'' बताया है।

पुतिन ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता को बधाई दी, तेहरान को अटूट समर्थन देने की बात कही

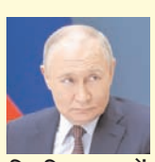

मॉस्को/भाषा। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता चुने गए अयातुल्ला मुजतबा खामेनेई को सोमवार को बधाई दी और तेहरान को मॉस्को के अटूट समर्थन और एकजुटता की पुष्टि की। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने सोमवार को यह जानकारी दी कि ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के बेटे मुजतबा को 88 सदस्यीय विशेषज्ञ सभा द्वारा उनका उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया है। पुतिन ने क्रेमलिन की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक संदेश में कहा, ''ऐसे समय में जब ईरान सशस्त्र आक्रमण का सामना कर रहा है, इस उच्च पद पर आपका कार्यकाल बेशक महान साहस और समर्पण की मांग करेगा।

पश्चिम एशिया में संवाद से हो समाधान

अपने नागरिकों की सुरक्षा और राष्ट्रीय हित प्राथमिकता : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- **भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत और कूटनीति का मार्ग अपनाने का आग्रह करता है। हम तनाव कम करने, संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पैरोकारी करते हैं।**

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया संकट के समाधान के लिए संवाद और कूटनीति की जरूरत पर जोर देते हुए सोमवार को लोकसभा में कहा कि उस क्षेत्र में रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा तथा अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना भारत सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अमेरिका और इजराइल ने बीते 28 फरवरी को ईरान पर बड़ा सैन्य हमला किया था जिसमें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए थे। अधिकारियों के अनुसार, युद्ध में अब तक ईरान में कम से कम 1,230 लोग, लेबनान में 397 और इज़राइल में 11 लोग मारे गए हैं।

संसद के दोनों सदनों में पश्चिम एशिया संघर्ष पर दिए अपने वक्तव्य में जयशंकर ने कहा कि भारत सरकार पश्चिम एशियाई क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने के पक्ष में है। उन्होंने एक ईरानी जहाज को भारतीय बंदरगाह पर खड़ा करने की अनुमति देने को मानवीय आधार पर लिया गया सही निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार इस क्षेत्र के हालात पर नजर रख रही है और संघर्ष क्षेत्र में फंसे 67,000 भारतीय नागरिकों को पहले ही वापस लाया जा चुका है।

जयशंकर ने कहा कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा तथा व्यापार जैसे राष्ट्रीय हित सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने लोकसभा और राज्यसभा में दिए वक्तव्य में कहा, ''भारत शांति के पक्ष में है और बातचीत और कूटनीति का मार्ग अपनाने का आग्रह करता है। हम तनाव कम करने, संयम बरतने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की पैरोकारी करते हैं।'' उनका कहना था, ''क्षेत्र में भारतीय समुदाय का कल्याण और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार सहित हमारे राष्ट्रीय हित हमेशा सर्वोपरि रहेंगे।''

दोनों सदनों में, जब जयशंकर वक्तव्य देने के लिए उठे तो विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी की और मांग की कि पश्चिम एशिया की स्थिति पर उनके वक्तव्य से पहले चर्चा होनी चाहिए। विपक्ष ने राज्यसभा से इस मुद्दे पर वॉकआउट किया, तो लोकसभा में हंगामा किया गया जिससे निचने सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

गौड़ ब्राह्मण संघ के स्नेह मिलन में रही राजस्थानी गीतों की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गौड़ ब्राह्मण संघ कर्नाटक द्वारा रविवार को जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में होली स्नेह मिलन का आयोजन धूमधाम से किया गया। सबसे पहले भगवान परशुराम के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया गया। राधेश्याम शर्मा की अध्यक्षता में सुभाष शर्मा, प्रदीप शर्मा, कमल शर्मा, पवन सहल, अशोक भुवानिया, संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया ने मंचासीन होकर होली की शुभकामनाएं दी।

महिला समिति की हंसा शर्मा के नेतृत्व में महिला दिवस के उपलक्ष्य में केक काटा गया और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायक रामू सिसोदिया, अलका खेड़वाल, स्वाति शर्मा आदि ने राजस्थानी गीतों व भजनों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर दिनेश उपाध्याय, मुकेश शर्मा, संदीप नाथोलिया, महेश शर्मा, मधुसूदन शर्मा, संदीप जोशी, मनोज शर्मा आदि ने व्यवस्था संभाली। विमल सुरोलिया ने संचालन किया। सचिव अनिल शर्मा ने सभी को धन्यवाद दिया।

मारवाड़ कांठा समाज द्वारा कृतज्ञता अर्पण कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मारवाड़ कांठा समाज द्वारा रविवार को गांधीनगर स्थित तेरापन्थ भवन में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी के प्रति कृतज्ञता अर्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि समाज के कार्यकर्ताओं में एकता रखने से व बार-बार आपस में मिलने से ही संगठन मजबूत होता है । कार्यकर्ताओं को बगीचे के दर्शक की तरह नहीं बनकर माली की तरह बनने का प्रयास करना चाहिए, जो फूलों की ऊपरी चमक दमक ही नहीं उसकी जड़ों को मजबूत करने पर ध्यान देता है। मुनिश्री ने कहा, मारवाड़ कांठा समाज के कार्यकर्ता कर्मयोगी बनें, जोश के साथ होश को कायम रखते हुए गुरु इंगित की आराधना करें तथा समाज को नई ऊंचाइयां प्रदान करें्। मुनिश्री ने समाज का भी अपना एक स्थायी भवन बनाने की प्रेरणा दी।

अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा ने सभी उपस्थित जनों विशेषकर मूलचंद नाहर को भवन संबंधी दायित्व के लिए नेतृत्व करने हेतु निवेदन किया। गौतमचंद ने सभी का स्वागत करते हुए आगामी आयोजनों एवं समस्त दानदाताओं के नाम की घोषणा की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मूलचंद नाहर ने अपनी भावनाएं प्रकट करते हुए सभी युवाओं को समाज एवं संस्थाओं से जुड़ने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक कमलचंद गादिया ने कांठा समाज की प्रतिभाओं की जानकारी दी। इस समारोह में पारसमल भंसाली, पवन चोपड़ा, ललित आच्छा, पारसमल नाहर, ज्योति संचेती ने कृतज्ञता अर्पित की। संगठन मंत्री भूपेंद्र रायसोनी ने क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन के जानकारी दी तथा सहयोगियों के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में 5 अप्रैल को को आयोजित होने वाले स्नेह मिलन में की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। दीक्षित सोलंकी ने वेबसाइट की जानकारी दी। इस मौके पर मूलचन्द नाहर, कमल गादिया व प्रणव पोखरना का सम्मान किया गया। इस अवसर पर माणक धोका, मदन नाहर, अरविंद कोठारी, नरेंद्र धोका, महावीर धोका, शांतिलाल पोरवाल, सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। विनोद मुथा ने धन्यवाद दिया। उपाध्यक्ष विनोद छाजेड़ ने संचालन किया ।

'जीतो' नॉर्थ लेडीज विंग द्वारा 'ड्राइव विद परपज' नेशनल कार रैली का आयोजन

कैंसर और थैलेसीमिया बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ लेडीज़ विंग द्वारा रविवार को ड्राइव विद परपज, नेशनल कार रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में कैंसर और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना था। फ्रीडम पार्क से रैली का शुभारंभ हुआ्। लेडीज विंग की चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत करते हुए बताया कि यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर का है। महामंत्री रक्षा छाजेड़ द्वारा सभी को महिला दिवस की शुभकामनाएं दी गई्।जीतो चेयरमैन विमल कटारिया ने कहा कि यह रैली एकजुटता और सामाजिक समर्पण का प्रतीक है। उन्होंने ड्राइव विद परपज नेशनल कार रैली के अंतर्गत केकेजी जोन में सर्वाधिक कारों के रजिस्ट्रेशन और सहभागिता कर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जीतो नार्थ लेडीज विंग को बधाई दी। मुख्य अतिथि के रूप में ऑल इंडिया महिला कांग्रेस की महामंत्री सौम्या रेड्डी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में केपीसीसी महामंत्री एवं बीडीए सदस्य आर. मंजुला नायडू उपस्थित थीं्।

इस अवसर पर जीतो अपेक्स मंत्री श्रीपाल बच्छावत, जीतो सहचेयरमैन दिनेश बाफना, अपेक्स वर्किंग कमेटी से नरेन्द्र सामर, केकेजी जोन मंत्री दिलीप जैन सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।ङ्करैली में लगभग 111 कारों के साथ 225 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सभी कारों को कैंसर एवं थैलेसीमिया जागरूकता वाले स्टीकर, पेम्पलेट और गुलाबी गुब्बारों से सजाया गया था। महिला विंग की ओर से मुख्य प्रायोजक उन्नति ग्रुप के महेंद्र चौहान का सम्मान किया गया। रैली फ्रीडम पार्क से प्रारंभ होकर केआर सर्कल, विधान सौधा और कन्निंघम रोड से होते हुए महावीर हॉस्पिटल पहुंची, जहां कैंसर एवं थैलेसीमिया जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। मणिपाल हॉस्पिटल की मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. पूनम पाटिल ने कैंसर के कारण, समय पर पहचान और बचाव के उपायों की जानकारी दी।

वहीं संकल्प फाउंडेशन के पीडियाट्रिक हीमेटो ऑन्कोलॉजिस्ट एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. मोहन रेड्डी ने थैलेसीमिया के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए समय-समय पर जांच कराने के महत्व पर जोर दिया। रैली में महावीर ड्राइविंग स्कूल की महिला कार इंस्ट्रक्टर भार्गवी तथा सी-कैब्स की वंदना सूरी ने भी अपनी कार के साथ भाग लिया। संयोजिका संगीता नागोरी, सहसंयोजिका साधना धोका, यूथ विंग चेयरपर्सन अनीश भोजानी एवं उनकी टीम ने व्यवस्था संभाली। इस मौके पर महिला विंग की अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं्। अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया।

'वीआर लायंस टीम' बनी जीतो साउथ वेटरन्स क्रिकेट चैम्पियनशिप की विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ चैप्टर द्वारा शनिवार व रविवार को वेटरन्स क्रिकेट चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया जिसमें कुल 8 टीमों के लगभग 120 खिलाड़ियों ने भाग लिया। बारह लीग मैच बीईएल ग्राउंड पर खेले गए, जिसके परिणामस्वरूप वीआर लायंस, श्री शंखेश्वर स्पोर्ट्स अकादमी, जियानी स्ट्राइकर्स तथा सिम्बायोसिस चैलेंजर्स टीमों ने सेमीफाइनल में स्थान बनाया। रविवार को सेमीफाइनल एवं फाइनल मुकाबले नेशनल कॉलेज ग्राउंड पर आयोजित हुए। पहले सेमीफाइनल में जियानी स्ट्राइकर्स और सिम्बायोसिस चैलेंजर्स के मुकाबले में सिम्बायोसिस चैलेंजर्स विजय प्राप्त कर फाइनल में प्रवेश किया। चेतन जैन को मैन ऑफ दि मैच से सम्मानित किया गया। दूसरे सेमीफाइनल में वीआर लायंस और श्री शंखेश्वर स्पोर्ट्स अकादमी के बीच हुए मुकाबले में वीआर लायंस ने दमदार बल्लेबाजी कर फाइनल में अपनी जगह बनाई।ङ्कफाइनल मुकाबले में वीआर लायंस और सिम्बायोसिस चैलेंजर्स ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। वीआर लायंस टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिम्बायोसिस चैलेंजर्स को पराजित कर चैम्पियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए महावीर बोहरा को मैन ऑफ दि मैच से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर चिकपेट के विधायक उदय गरुडाचार विशेष रूप से उपस्थित थे। विधायक उदय गरुडाचार व जीतो साउथ चैप्टर के अध्यक्ष रणजीत सोलंकी ने खिलाड़ियों के साथ मैदान में मैत्रीपूर्ण क्रिकेट खेलकर कार्यक्रम का उत्साह बढ़ाया। इस मौके पर साउथ चैप्टर के महामंत्री नितिन लुनिया, संयोजक चेतन बोहरा तथा सहसंयोजक श्रेयांस राखेचा सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्मृति शेष

बेंगलूरु के ब्लेस सोसाइटी ऑफ़ रूरल एंड अर्बन डेवलपमेंट द्वारा लग्गेरी राजराजेश्वरीनगर में पंडित पुट्टराजू गवई के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में यादगार कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पंडित पुट्टराजू के चित्र पर पुष्प अर्पित करके उनकी सेवाओं को याद किया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

मेइटी को डेटा सुरक्षा नियमों के लिए उद्योग की राय का इंतजार : सचिव एस. कृष्णन

मुंबई/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेइटी) डेटा सुरक्षा अनुपालन की समयसीमा को कम करने के अपने प्रस्ताव पर अंतिम निर्णय लेने से पहले उद्योग की राय का इंतजार कर रहा है। मंत्रालय के सचिव एस. कृष्णन ने सोमवार को यह जानकारी दी।

कृष्णन ने कहा कि केंद्र सरकार ने अभी तक कर्नाटक सरकार के 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को नहीं देखा है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया या ऑनलाइन गेमिंग जैसे विषय राष्ट्रीय अधिकार क्षेत्र में आते हैं और इन्हें अलग से संबोधित करना होगा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, हम इस (समय सीमा घटाने) पहलू पर उद्योग से परामर्श कर रहे हैं। हमने कुछ चर्चाएं की हैं और उनके सुझावों का इंतजार कर रहे हैं। सुझाव मिलने के बाद ही हम अंतिम निर्णय लेंगे। सूत्रों के अनुसार, मेइटी ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा (डीपीडीपी) नियमों के तहत महत्वपूर्ण डेटा प्रबंधकों के लिए अनुपालन की समयसीमा को 18 महीने से घटाकर 12 महीने करने का प्रस्ताव रखा है। कृष्णन ने कहा कि बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियां और कई बड़े संगठन पहले से ही कई अन्य बाजारों में कड़े डेटा सुरक्षा मानकों का पालन करते हैं।

कैंसर और थैलेसीमिया की रोकथाम पर रैली निकाल फैलाई जागरूकता

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत । जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) हुब्बल्ली लेडीज़ विंग द्वारा रविवार को रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में कैंसर और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना था। बालाजी हॉस्पिटल की डॉ. क्रांति किरण ने जागरूकता संवाद कार्यक्रम में कैंसर और थैलेसीमिया से जुड़ी बीमारियों के बारे में जानकारी दी। रैली केशवपुर स्पोर्ट्स पार्क ग्राउंड से शुरू होकर टोलंकेरे पहुंची। रैली के दौरान आमजनता को बीमारियों के रोकथाम के लिए जागरूक किया गया।

इस मौके पर चेयरमैन अनिल कुमार जैन, भवरलाल जैन, प्रकाश कोठारी, वीरेंद्र चेड्डा, शरद मोमाया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

कार रैली निकाल कर जीतो गदग ने स्वास्थ्य के प्रति फैलाई जागरूकता

गदग/दक्षिण भारत । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) गदग लेडीज़ विंग द्वारा रविवार को ड्राइव विद परपज नामक कार रैली व जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य समाज में कैंसर और थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारियों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कैंसर विशेषज्ञ डॉ. सुनीता कुराडगी ने एक जागरूकता संवाद कार्यक्रम में कैंसर की रोकथाम, जल्दी डायग्नोसिस, लाइफस्टाइल जागरूकता और नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व पर प्रकाश डाला। रैली में जीतो सदस्यों ने जागरूकता अभियान में सहयोग किया। रैली महावीर गौशाला से शुरू होकर एसएस कॉलेज ग्राउंड पहुंची जहां स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाई गई तथा जानकारियां दी गई्। इस मौके पर चेयरपर्सन स्वीटी भंसाली, जितेंद्र जीरावाला, जितेंद्र भंसाली, उत्तम गादिया, इंदिरा बागमार सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जनधन खातों में न्यूनतम राशि न रखने पर दंडात्मक शुल्क नहीं: वित्त मंत्री

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री जन धन योजना सहित लगभग 72 करोड़ बुनियादी बचत बैंक जमा खातों (बीएसबीडीए) पर न्यूनतम शेष राशि न रखने पर कोई दंडात्मक शुल्क नहीं लगेगा।

लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में उन्होंने कहा कि बैंक बुनियादी बचत बैंक जमा खातों (बीएसबीडीए) में शून्य-शेष बचत खाते की सुविधा प्रदान करते हैं ताकि विशेष रूप से कमजोर और छोटे जमाकर्ताओं के लिए बैंकिंग सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित की जा सके और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया जा सके। बीएसबीडीए में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत खोले गए खाते भी शामिल हैं।

इन खातों में कोई भी न्यूनतम शेष राशि रखने की आवश्यकता नहीं होती है और खाताधारकों को जमा, निकासी और एटीएम की सुविधा जैसी बुनियादी बैंकिंग सेवाएं बिना किसी दंडात्मक शुल्क के नि:शुल्क प्रदान की जाती हैं। सीतारमण ने कहा, ''प्रधानमंत्री जनधन योजना खातों सहित लगभग 72 करोड़ बीएसबीडीए खाते न्यूनतम शेष राशि बनाए न रखने के लिए किसी दंडात्मक शुल्क के अधीन नहीं हैं।

उत्तराखंड : मुख्यमंत्री धामी ने पेश किया 1.11 लाख करोड़ रुपए का बजट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गैरसैंण/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को यहां राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,11,703.21 करोड़ रुपए का बजट पेश किया ।

वित्त मंत्री के रूप में धामी का यह पहला बजट है। यह बजट राजस्व अधिशेष वाला। इसमें 2,536.33 करोड़ का राजस्व अधिशेष अनुमानित है । पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले इस बार का बजट 10 प्रतिशत अधिक है। बजट में राजस्व व्यय के रूप में 64,989.44 करोड़ रुपए का अनुमान रखा गया है जबकि पूंजीगत व्यय 46,713.73 करोड़ रुपए प्रस्तावित किया गया है।

आम बजट के रूप में पूंजीगत प्राप्तियों से 42,617.35 करोड़ जबकि राजस्व प्राप्तियों से 67,525.77 करोड़ रुपए अनुमानित है।

बजट में वित्तीय जिम्मेदारी और पारदर्शिता बनाए रखते हुए एफआरबीएम के प्रावधानों का पूर्ण पालन किया गया है । राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के तीन प्रतिशत की सीमा के अंदर रखा गया है जो 12,579.70 करोड़ रुपए है । इसी प्रकार, ऋण भी राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) के 32.50 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के अंदर है ।

अपने भाषण की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट के मुख्य बिंदु समावेशी विकास, आत्मनिर्भर, नई सोच, तीव्र विकास, उन्नत गांव और शहर, लोक सहभागिता, आर्थिक शक्ति और न्यायपूर्ण व्यवस्था की सोच पर आधारित है ।

केआईआईटी विवि ने एफआईवीबी बीच प्रो टूर चैलेंज के ग्रैंड फिनाले की भव्य मेजबानी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर। एफआईवीबी वॉलीबॉल वर्ल्ड बीच प्रो टूर चैलेंज 2026 का रविवार को भव्य अंदाज में समापन किया। यह केआईआईटी विश्वविद्यालय के दुती चंद एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित हुआ्। शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों ने अपने अनुभव भी साझा किए। दिन की शुरुआत महिला कांस्य पदक मुकाबले से हुई, जहां अमेरिका की टीम माइजकोव्सकी/कैन ने ह्यूजेस/बैटेन्होर्स्ट के खिलाफ एक रोमांचक ऑल-अमेरिकन मुकाबला खेला। पहला सेट जीतने के बाद, माइजकोव्सकी/कैन अपनी बढ़त बनाए रखने में असफल रहीं्। ह्यूजेस/बैटेन्होर्स्ट ने जोरदार वापसी करते हुए मुकाबला 2-1 से जीतकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

महिला स्वर्ण पदक मुकाबले में, जापान की टीम शीबा/रेइका ने अमेरिका की जोड़ी ड्यूरिश/कोएनिग का सामना किया। अमेरिकी जोड़ी ने बेहतरीन समन्वय के साथ शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 2-0 से जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया, जबकि शीबा/रेइका को रजत पदक मिला। पुरुष कांस्य पदक मुकाबले में, इज़राइल की टीम एलेज़ार/कुज़मिसियोव का सामना डेनमार्क की जोड़ी ब्रिंक/हौमैन से हुआ्। इज़राइली जोड़ी ने दबदबा बनाए रखा और मुकाबला 2-0 से जीतकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

टूर्नामेंट का समापन पुरुष स्वर्ण पदक मुकाबले के साथ हुआ, जिसमें चेक गणराज्य की टीम सेप्का/ज़ावोरोनोक ने बेल्जियम की जोड़ी वर्कौटरेन/वैन लांगेंडांक का सामना किया। एक रोमांचक मुकाबले में, बेल्जियम की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 2-0 से जीतकर चैंपियन का खिताब अपने नाम किया, जबकि चेक टीम को रजत पदक मिला। अंतिम मुकाबले शाम 4 बजे से 6 बजे तक खेले गए, जिनमें महिला फाइनल में अमेरिका और जापान की टीमें शामिल थीं्। उसके बाद पुरुष फाइनल चेक गणराज्य और बेल्जियम के बीच हुआ। समापन समारोह शाम 6 बजे शुरू हुआ, जिसे केआईआईटी, केआईएसएस एवं किम्स के संस्थापक प्रोफेसर (डॉ.) अच्युत सामंत ने संबोधित किया। उन्होंने विजेता टीमों को बधाई दी और पूरे टूर्नामेंट में उत्कृष्ट प्रतिस्पर्धा के स्तर की सराहना की। ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति का संदेश पढ़ा गया।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया का वीडियो संदेश प्रस्तुत किया गया। पदक वितरण समारोह में गणमान्य व्यक्तियों ने विजेता टीमों को पदक प्रदान किए। कांस्य पदक प्रोफेसर (डॉ.) ज्ञान रंजन मोहंती और उपेंद्र कुमार मोहंती, रजत पदक प्रोफेसर (डॉ.) सरनजीत सिंह और अभिनेता देबाशीष पात्रा, स्वर्ण पदक प्रोफेसर (डॉ.) अच्युत सामंत के साथ पंकज लोचन मोहंती द्वारा प्रदान किए गए।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो असम विधानसभा चुनाव के लिए प्रभारी हैं, ने सोमवार को दिल्ली में असम प्रदेश कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष गौरव गोगोई के साथ चर्चा की।

शिवकुमार के दिल्ली दौरे ने कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को फिर से हवा दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के नयी दिल्ली दौरे ने विधानसभा के बजट सत्र के बाद राज्य में संभावित नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को फिर से हवा दे दी है। सरकारी और पार्टी सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार रविवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ कलबुर्गी से राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना हुए। वहां रात्रि में भारत और न्यूज़ीलेंड के टी20 मैच का उन्होंने आनंद लिया। इससे पहले दिन में, दोनों नेताओं ने जिले के चित्तापुर में 1,069 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत की थी। मीडिया के साथ साझा किए गए शिवकुमार के यात्रा कार्यक्रम के अनुसार, वह एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नयी दिल्ली गये हैं और सोमवार सुबह बेंगलूरु लौटेंगे।

मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवकुमार के साथ जारी खींचतान के बीच, सिद्दरामय्या ने शनिवार को कहा था कि अगर कांग्रेस आलाकमान उन्हें अवसर देता है तो वह दो और बजट पेश कर सकते हैं। सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को राज्य के वित्त मंत्री के रूप में अपना रिकॉर्ड 17वां बजट पेश किया। कहा जा रहा है कि शिवकुमार के समर्थक कुछ विधायक दिल्ली जाकर पार्टी आलाकमान के सामने अपने नेता को विधानसभा के बजट सत्र के बाद मुख्यमंत्री बनाए जाने की इच्छा व्यक्त चुके हैं।

यह बजट सत्र 27 मार्च को समाप्त होगा। इस बीच, शिवकुमार 10 मार्च को सभी मंत्रियों, कांग्रेस विधायकों और विधान परिषद सदस्यों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे, जो कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में उनके छह साल पूरे होने का जश्न होगा।

युवक की पत्थर से कुचलकर कर हत्या

बेंगलूरु। बेंगलूरु के बाहरी इलाके में 24 वर्षीय एक युवक की कथित तौर पर पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान तिलक के रूप में हुई है। उसने कहा कि यह घटना रविवार को बन्नेरघट्टा थानाक्षेत्र में गोल्लाहल्ली गुट्टे के पास एक खेत में हुई। पुलिस के अनुसार, अज्ञात बदमाशों ने कथित तौर पर पत्थर से कुचलकर तिलक की हत्या कर दी । हत्या के कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। बनेरघट्टा पुलिस घटनास्थल की जांच कर रही है। फोरेंसिक की एक टीम भी मौके से सबूत इकट्ठा कर रही है। पुलिस ने बताया कि हत्या में शामिल आरोपियों की पहचान और उन्हें पकड़ने के लिए जांच जारी है।

कार में आग लगने से एक बुजुर्ग की मौत

चिक्कबल्लापुर। चिक्कबल्लापुर जिले में कार में आग लगने से उसमें सवार 70 वर्षीय एक व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया मृतक की पहचान बेंगलूरु के कनकपुरा मार्ग स्थित रघुवनहल्ली के निवासी उदय कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह घटना रविवार को चिक्कबल्लापुर जिले के बागेपल्ली तालुक के अचेपल्ली क्रॉस के पास उस समय हुई जब उदय कुमार अपनी मां से मिलकर लौट रहे थे। पुलिस ने बताया कि राहगीरों ने कार में आग लगी देख स्थानीय पुलिस को सूचित किया जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक आग पूरी कार में फैल चुकी थी जिससे व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि बाद में कार से उदय कुमार का शव बरामद किया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए कहा कि यह आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है क्योंकि जांचकर्ताओं को दुर्घटना या कार में ऐसी किसी यांत्रिक खराबी का कोई सबूत नहीं मिला जिससे आग लग सकती थी।

मुलाकात

कर्नाटक माउंटेनियरिंग एसोसिएशन के सदस्य संतोष देवराजप्पा और महिला माउंटेनियर प्रो. डॉ. चिन्मयी त्रिशुलमूर्ति, जो अप्रैल और मई में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने की कोशिश करेंगी, सोमवार को बेंगलूरु में विधानसभा में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने टीम को शुभकामनाओं के तौर पर राष्ट्रीय तिरंगा, कर्नाटक राज्य का प्रतीक और कन्नड़ झंडा दिया और उनके लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर विधानसभा स्पीकर यू.टी. खादर, कर्नाटक माउंटेनियरिंग एसोसिएशन के सचिव नागेंद्र कुमार आर और पदाधिकारी मौजूद थे।

राज्यसभा में देवेगौड़ा ने कर्नाटक में हाथियों के बढ़ते उत्पात का मुद्दा उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। राज्यसभा में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने कर्नाटक में सिंचाई परियोजनाओं के कारण वनों का आकार सिकुड़ने की वजह से भोजन के लिए जंगली हाथियों द्वारा मानवीय बस्तियों में आकर उत्पात करने से कई लोगों की जान जाने का मुद्दा उठाया। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कामकाज पर उच्च सदन में चर्चा में भाग लेते हुए पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने यह मुद्दा उठाते हुए केंद्र सरकार और राज्य सरकार से इस समस्या का समाधान निकालने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि

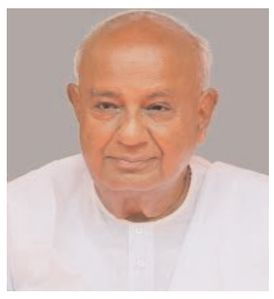

राज्य के कई इलाकों में जंगली हाथी भोजन की तलाश में गांवों में घुस आते हैं और उत्पात मचाते हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के कुछ हिस्सों में आये दिन ऐसी घटनाएं होती हैं।

उन्होंने कहा कि इसका कारण सिंचाई परियोजनाओं के कारण वनों की भूमि डूब क्षेत्र में बदल रही है। देवेगौड़ा ने आरोप लगाया कि कर्नाटक की वर्तमान सरकार उन परियोजनाओं के क्रियान्वयन में बहुत धीमी गति से आगे बढ़ रही है जिन्हें पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के शासनकाल में शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर भारत के महा अंकेक्षक की रिपोर्ट में कड़ी टिप्पणियां की गयी हैं।

यतनाल का 'भ्रष्ट परिवार' के तहत भाजपा में फिर से शामिल होने से इनकार, अपनी पार्टी बनाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के निष्कासित विधायक बसनागौड़ा पाटिल यतनाल ने सोमवार को आरोप लगाया कि जब तक कर्नाटक में पार्टी का नेतृत्व 'भ्रष्ट परिवार' के हाथों में रहेगा, तब तक वह भाजपा में दोबारा शामिल नहीं होंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि उनकी नवगठित जेसीबी पार्टी राज्य में सत्ता में आएगी और वह कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री होंगे। नयी दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए विजयपुरा के विधायक ने कहा कि वह भाजपा नेताओं से मिलने के लिए राजधानी नहीं आए हैं। उन्होंने पार्टी में वापसी के लिए पैरवी करने की अटकलों को खारिज कर दिया।

यतनाल ने कहा, ''मैं उस तरह का व्यक्ति नहीं हूं जो किसी के घर

जाकर भाजपा में शामिल कराने की भीख मांगे या एहसान करने की भीख मांगे। ऐसी खबरें बेवजह न फैलाएं। हम हर बात में पारदर्शी हैं। मुझे वहां जाकर राजनीति के लिए किसी के पैरों में गिरने की कोई जरूरत नहीं है।'' उन्होंने कहा कि राजधानी की उनकी यात्रा पूरी तरह से निजी थी। उन्होंने कहा, ''मैं यहां निजी कारणों से आया हूं, मुझे एक दोस्त के बेटे की शादी में शामिल होने के साथ अपने कुछ पुराने दोस्तों से मिलना है।''

भाजपा में वापसी के बारे में पूछे जाने पर यतनाल ने कहा कि वह पार्टी की कर्नाटक इकाई में उस नेतृत्व को स्वीकार नहीं करेंगे जो उनकी नजर में एक 'भ्रष्ट परिवार' के पास है। उन्होंने आरोप लगाया कि कर्नाटक में भाजपा का नेतृत्व पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येडीयुरप्पा के परिवार के हाथों में केंद्रित है। यतनाल ने एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का भी संकेत दिया।

उन्होंने कहा, ''यदि आवश्यकता पड़ी तो मैं अपनी क्षेत्रीय पार्टी बनाऊंगा। मैं यहां बैठकर इंतजार क्यों करूं? मैं इतना मूर्ख नहीं हूं कि बैठकर इंतजार करता रहूं।'' उन्होंने कहा, ''मेरी जेसीबी पार्टी तैयार है, अगर पार्टी गठित करने का समय आया, तो मैं सही फैसला लूंगा और इसका गठन करूंगा।'' येडीयुरप्पा या उनके परिवार के सदस्यों की तरफ से यतनाल के आरोपों पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं प्राप्त हुई है।

बेंगलूरु की हिकल टेक्नोलॉजीज़ राफेल विमान के लिए कलपुर्जो की आपूर्ति करेगी

बेंगलूरु। बेंगलूरु की एयरोस्पेस कंपनी हिकल टेक्नोलॉजीज़ ने सोमवार को कहा कि डसॉल्ट एविएशन ने उसे राफेल लड़ाकू विमान की नियंत्रण प्रणाली के ज़रूरी इस्तेमाल के लिए उत्पाद बनाने का दीर्घावधिक अनुबंध दिया है। एक बयान में, हिकल टेक्नोलॉजीज़ ने कहा कि वह ऐसे मिशन-क्रिटिकल उत्पाद देगी जो समझौते के तहत डसॉल्ट एविएशन के कड़े इंजीनियरिंग, पात्रता और विश्वसनीयता मानकों को पूरा करते हैं। डसॉल्ट एविएशन के वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष (खरीद) ब्रूनो कोइफियर ने कहा, ''हिकल टेक्नोलॉजीज़ ने गुणवत्ता और विश्वसनीयता के लिए एक मज़बूत प्रतिबद्धता दिखाई है। ये गुण डसॉल्ट एविएशन की बेहतरीन विरासत से पूरी तरह मेल खाते हैं।'' हिकल टेक्नोलॉजीज़ के प्रबंध निदेशक, यशस जयवीर ने कहा, ''यह मील का पत्थर, सालों के इंजीनियरिंग निवेश, वस्तुनिष्ठ विनिर्माण अनुशासन और गुणवत्ता संस्कृति का सबूत है, जिसे हिकल में हमारी टीम ने बनाया है।''

'दपरे' ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। दक्षिण पश्चिम रेलवे (दपरे) ने 9 मार्च यहां के गदग रोड पर चालुक्य रेलवे इंस्टीट्यूट में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस मौके पर दपरे के एडिशनल जनरल मैनेजर अनंत पी. मुख्यअतिथि थे और दपरे विमेंस वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन की तरफ से रामा देवी गेस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर शामिल हुईं। कार्यक्रम की अध्यक्षता दपरे के प्रिंसिपल चीफ पर्सनल ऑफिसर सूर्य प्रकाश ने की। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट कलकत्ता की प्रोफेसर और ऑगनाइजेशन की एल्युम्ना डॉ. निर्मला गुडापति ने उपस्थितों को संबोधित किया और महिलाओं पर उनके परिवार और काम की जगह पर होने वाली कई जिम्मेदारियों के बारे में बताया। उन्होंने महिलाओं को आने वाली मुश्किलों और वे कैसे हिम्मत से रोज़मर्रा की चुनौतियों का सामना करती हैं, इस पर ज़ोर दिया, साथ ही महिलाओं को रोज़मर्रा की ज़िंदगी में अपनी कोशिशों और कामयाबियों की तारीफ करने के लिए हिम्मत दी।

सेंट्रल रेलवे हॉस्पिटल की डीएमओ डॉ. विनीता ने स्ट्रेस और एंग्जायटी को मैनेज करने के असरदार तरीकों के बारे में बताया और ज़रूरत पड़ने पर समय पर मेडिकल सलाह लेने की अहमियत पर ज़ोर दिया। उन्होंने टेली-मानस के बारे में भी बताया, जो भारत सरकार की एक पहल है। यह स्ट्रेस और एंग्जायटी जैसी मेंटल हेल्थ से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे लोगों को गाइडेंस और सपोर्ट देती है। अपने भाषण में, एडिशनल जनरल मैनेजर अनंत पी. ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की अहमियत पर ज़ोर दिया। दपरे प्रशासक द्वारा महिला कर्मचारियों की भलाई और उन्हें मज़बूत बनाने के लिए की गई अलग-अलग कोशिशों के बारे में बताया, और ऑर्गनाइज़ेशन में महिला कर्मचारियों के ज़बरदस्त योगदान को माना। उत्सव के हिस्से के तौर पर, महिला कर्मचारियों को बढ़ावा देने और उन्हें मज़बूत बनाने के लिए 5 और 6 मार्च को दक्षिण पश्चिम रेलवे में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ और विजेताओं को सम्मानित किया गया।

वर्ष 2027 के लिए भारतीय सेना में अग्निवीर के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

बेंगलूरु। भर्ती साल 2027 के लिए अग्निपथ स्कीम में पुरुष और महिला उम्मीदवारों के लिए कॉमन एंट्रेंस एग्जाम के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 13 फरवरी से 01 अप्रैल तक शुरू हो गया है। यह कर्नाटक के सभी जिलों के उम्मीदवारों के लिए इन कैटेगरी में होगा: अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर टेक्निकल, अग्निवीर ऑफिस असिस्टेंट/स्टोर कीपर टेक्निकल, अग्निवीर ट्रेड्समैन 10वीं पास, अग्निवीर ट्रेड्समैन 8वीं पास, अग्निवीर जनरल ड्यूटी (महिला मिलिट्री पुलिस), नर्सिंग असिस्टेंट, नर्सिंग असिस्टेंट वेटेरिनरी और सिपाही फार्मा। हर कैटेगरी के लिए उम्र, एजुकेशनल क्वालिफिकेशन और दूसरे क्राइटेरिया की पूरी जानकारी www.joinindianarmy.nic.in पर अपलोड किए गए नोटिफिकेशन में उपलब्ध है। जो कैंडिडेट ज्वाइन इंडियन आर्मी की वेबसाइट www.joinindianarmy.nic.in पर अकाउंट बनाना चाहते हैं, उन्हें ज़रूरी जानकारी देकर रजिस्टर करना होगा।

त्रिची में द्रमुक का महासम्मेलन 'सिर्फ दिखावटी' है : टीवीके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तंजावुर। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने त्रिची में सोमवार को आयोजित होने जा रहे सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के महासम्मेलन को ''दिखावटी'' करार देते हुए दावा किया कि किसी भी प्रकार के प्रयास भी सत्ताधारी पार्टी को विजय के पक्ष में बढ़ते जनसमर्थन की लहर से नहीं बचा सकते। टीवीके नेता नांजिल संपत ने कहा कि द्रमुक का शक्ति प्रदर्शन स्वाभाविक नहीं बल्कि बनावटी है और रविवार को यहां एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान द्रमुक के व्यापक लामबंदी प्रयासों पर चुटकी ली।

उन्होंने कहा, ''वहां कोई वास्तविक जन जागरण नहीं है।'' यह जुबानी जंग ऐसे समय में छिड़ी है जब दोनों दल महत्वपूर्ण डेल्टा क्षेत्र में वर्चस्व स्थापित करने में जुटे हैं। जहां द्रमुक ने त्रिची सम्मेलन को ''सबसे अहम'' बताते हुए 2026 के विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तत्परता दिखाई, वहीं टीवीके ने पलटवार करते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल हाल में तंजावुर में हुई विजय की सफल रैली से ''घबरा'' कर ऐसा कर रहा है। संपत ने कहा, ''वे लगातार बैठकें कर रहे हैं क्योंकि उनकी स्थिति खराब है। वे मीडिया और अपने सहयोगियों पर दबाव डाल रहे हैं क्योंकि तमिलनाडु भर में टीवीके की लोकप्रियता बढ़ रही है।'' विजय द्वारा महिलाओं के लिए 2,500 रुपये के मासिक अनुदान के वादे को द्रमुक की मौजूदा ''मगलिर उरिमाई थोगई'' की नकल बताने के दावों का जवाब देते हुए संपत ने इसे खारिज कर दिया। संपत ने कहा, ''आप चावल खाते हैं और मैं भी चावल खाता हूं। तो क्या इसका मतलब यह है कि जब मैं खाता हूं तो मैं आपकी नकल कर रहा हूं? हम वह अनुदान प्रदान कर रहे हैं जिसकी महिलाएं हकदार हैं, जबकि द्रमुक ने सामाजिक कल्याण को सिर्फ पौष्टिक भोजन तक सीमित कर दिया।''

उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित मद्रास विश्वविद्यालय सहित 12 सरकारी विश्वविद्यालय वर्तमान में कुलपतियों के बिना काम कर रहे हैं। संपत ने आरोप लगाया, ''एक प्रोफेसर या शिक्षक से नौकरी की नियुक्ति के लिए 70 लाख रुपये तक मांगे जा रहे हैं... उच्च शिक्षा विभाग बर्बाद हो गया है।'' चुनावी गठबंधन के सवाल पर टीवीके नेता ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उन्हें किसी गठबंधन की आवश्यकता नहीं है।

ईरोड जिले में हाथी के हमले में एक वृद्ध महिला की मौत

ईरोड। ईरोड जिले में हाथी के हमले में 80 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई। वन अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, अंथियूर वन क्षेत्र में काकायानुरे के 20 वर्षीय रामकुमार ने रविवार को एक महिला का शव नजर आने पर पुलिस और वन विभाग को इसकी सूचना दी।

अंथियूर से वन अधिकारियों की एक टीम पुलिस के साथ मौके पर पहुंची। मृत महिला की पहचान मीना (80) के रूप में हुई है एवं उनके शरीर पर चोट के कई निशान मिले हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, महिला अक्सर इमली तोड़ने के लिए जंगल जाती थी लेकिन रविवार को वन जाने के बाद वह वापस नहीं लौटी। अधिकारियों के मुताबिक शव को अंथियूर के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां पोस्टमार्टम से पता चला कि हाथी के कुचलने के कारण मीना की मौत हुई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अन्नाद्रमुक ने हिरासत में व्यक्ति की मौत पर तमिलनाडु सरकार की आलोचना की

शिवगंगा। तमिलनाडु में विपक्षी दल अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) ने हाल ही में पुलिस हिरासत में हुई 26 वर्षीय एक अपराधी की मौत के मामले में उसे बर्बरतापूर्वक प्रताड़ित किए जाने का दावा किया है। पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा की है, जबकि तमिलनाडु पुलिस का कहना है कि मौत गिरफ्तारी से बचने की कोशिश के दौरान लगी चोटों के बाद स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण हुई है। पार्टी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया चैनल के माध्यम से राज्य पुलिस के खिलाफ गंभीर आरोप लगाया है और इस घटना को 'हिरासत में मौत' का मामला करार दिया है। पार्टी ने दावा किया कि अनुसूचित जाति समुदाय से ताल्लुक रखने वाले इंजीनियरिंग स्नातक आकाश डेलिसन को पूछताछ के लिए हिरासत में लिए जाने के बाद उसे बर्बरतापूर्वक प्रताड़ित किया गया। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) कार्यालय द्वारा रविवार को जारी एक बयान के अनुसार, डेलिसन पहले कई अपराधों में शामिल था, उसके खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई मामले लंबित थे।

पुलिस ने बताया कि वह छह मार्च को हुए एक हमले के मामले में वांछित था, जिसमें उसने और उसके एक साथी ने हत्या करने की नीयत से कथित तौर पर दो व्यक्तियों पर हथियारों से हमला किया था। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी से बचने के लिये भागने की कोशिश के दौरान डेलिसन एक पुल से गिर गया, जिससे उसके पैरों में गंभीर चोटें आईं।

धमकी भरे ईमेल : महिला के खिलाफ कई राज्यों में दर्ज प्राथमिकी को न्यायालय ने कर्नाटक स्थानांतरित किया

महिला मानसिक रूप से स्थिर नहीं थी। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार होने के बाद भी उसके एकाउंट से ईमेल भेजे गए। पीठ ने दलीलें सुनने के बाद याचिका को मंजूरी दे दी और कहा कि सभी मामले कर्नाटक स्थानांतरित किए जाएं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/बेंगलूरु। उच्चतम न्यायालय ने उस महिला के खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज प्राथमिकी कर्नाटक स्थानांतरित कर दी, जिस पर अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम सहित देश के विभिन्न स्थानों पर बम धमाकों की धमकी देने वाले ईमेल भेजने का आरोप है।

न्यायमूर्ति विक्रमनाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को अवगत कराया गया कि अब तक उस महिला के खिलाफ 23 प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। महिला चेन्नई में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी की सलाहकार थी। पीठ को यह भी बताया गया कि 23 प्राथमिकी में से 12 कर्नाटक में और छह गुजरात में दर्ज की गई थीं।

पुलिस के अनुसार, महिला ने ये ईमेल उस पुरुष को बदनाम करने के लिए भेजे थे, जिसे वह अपना पति बनाने का सपना देखती थी, लेकिन उस व्यक्ति ने किसी अन्य महिला से विवाह कर लिया था। उच्चतम न्यायालय ने यह आदेश उस महिला की याचिका की सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें उसने अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को एक साथ नत्थी करने का अनुरोध किया था।

पीठ ने महिला की ओर से पेश वकील से कहा, ''यह महिला खतरनाक प्रतीत होती है। उच्च न्यायालय खाली करा दिये गये, स्टेडियम खाली कराये गये। आज, यदि आपकी मुवक्किल द्वारा इस अदालत के महासचिव को ईमेल के जरिये धमकी दी जाती है, तो क्या होगा? भीड़ में भगदड़ हो सकती है।''

वकील ने दावा किया कि महिला मानसिक रूप से स्थिर नहीं थी। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार होने के बाद भी उसके एकाउंट से ईमेल भेजे गए। पीठ ने दलीलें सुनने के बाद याचिका को मंजूरी दे दी और कहा कि सभी मामले कर्नाटक स्थानांतरित किए जाएं।

IFSCA
अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण
द्वितीय और तृतीय तल, प्रज्ञा टावर, गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात
फाइल सं. 73/आईएफएससीए/कंसल्टेंट्स/2020-21 03 मार्च, 2026
रिक्ति अधिसूचना
अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए), जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग के अधीन एक वैधानिक एकीकृत नियामक निकाय है, अनुबंध के आधार पर युवा पेशेवर तथा वरिष्ठ परामर्शदाता के विभिन्न पदों पर नियुक्ति हेतु योग्य भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित करता है। नियुक्ति का स्थान गिफ्ट सिटी, गांधीनगर, गुजरात होगा।
2. आवेदन करने के इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि विस्तृत रिक्ति सूचना के लिए www.ifsca.gov.in/career का अवलोकन करें। आवेदन पत्र आवश्यक दस्तावेजों सहित डाक द्वारा प्राप्त होने की अंतिम तिथि 23.03.2026 सायं 6.00 बजे तक है।
महाप्रबंधक
CBC 15228/12/0007/2526 सामान्य प्रशासन विभाग

अभयारण्य से बाहर निकला बाघ जंगल में लौटा, बढ़ती बाघ संख्या से वन विभाग पर दबाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रणथम्भौर बाघ अभयारण्य से बाहर निकलने के बाद रविवार तड़के एक पांच सितारा होटल के पास दिखाई दिया बाघ अब सुरक्षित रूप से अभयारण्य क्षेत्र में लौट गया है। वन विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस घटना ने एक बार फिर रणथम्भौर बाघ अभयारण्य में बढ़ती बाघ संख्या और क्षेत्रीय दबाव को लेकर चिंताओं को उजागर किया है। बाघ सबसे पहले रविवार सुबह 6 बजे एक फार्महाउस के पास लगे कैमरे में नजर आया। बाद में वह अमरेश्वर क्षेत्र होते हुए होटल की ओर बढ़ा, जिसके बाद स्थानीय निवासियों ने वन विभाग को सूचित किया।

वन विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और पगमार्क की जांच करते हुए बाघ की गतिविधियों पर नजर रखी। वन संरक्षक मानस सिंह ने कहा, बाघ सुरक्षित रूप से जंगल में लौट गया है। टीमों ने लगातार निगरानी रखी ताकि वह सुरक्षित रूप से अभयारण्य में वापस जा सके।

उन्होंने बताया कि जिस क्षेत्र में बाघ की गतिविधियां देखी गयीं वहां आबादी नहीं थी इसलिए किसी तरह की तनावपूर्ण स्थिति नहीं बनी। हाल के वर्षों में ऐसे मामले अधिक सामने आए हैं क्योंकि युवा बाघ नए क्षेत्र की तलाश में संरक्षित जंगल से बाहर निकलते हैं।

सवाई माधोपुर जिले में स्थित रणथम्भौर बाघ अभयारण्य में बाघों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। यह वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है लेकिन यही सफलता वन विभाग के लिए चुनौती बन रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि बाघों का कुनबा बढ़ने से जंगल छोटा पड़ रहा है और उनके लिए पर्याप्त बाघ पर्यावास नहीं मिल पा रहा है। यही वजह है कि रणथम्भौर में युवा बाघ

क्षेत्र की तलाश में लगातार जंगल की परिधि से बाहर निकल रहे हैं।

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार, लगभग 1,800 वर्ग किलोमीटर (सवाईमाधोपुर, धौलपुर और करौली जिले सहित बफर क्षेत्र) में फैले इस अभयारण्य में वर्तमान में लगभग 70 बाघ हैं। वन्यजीव विशेषज्ञों का कहना है कि उपलब्ध आवास आदर्श रूप से 40 से 50 बाघों को ही सहारा दे सकता है, जिससे भीड़भाड़ और क्षेत्रीय संघर्ष की चिंता बढ़ रही है। विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि एक बाघ 40 से 50 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में और बाघिन 20 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में रहती है। नया क्षेत्र बनाने के लिए बाघ कई बार राष्ट्रीय उद्यान से बाहर निकल जाते हैं। वन्यजीव विशेषज्ञ धर्मेन्द्र खांडल ने बताया कि क्षेत्र की तलाश में रणथम्भौर के बाघ कई बार बाघ मुकुंदरा हिल्स बाघ अभयारण्य, रामगढ़ विषधारी अभयारण्य और कभीकभी मध्यप्रदेश के जंगलों तक भी पहुंच जाते हैं।

उन्होंने बताया कि रणथम्भौर के अलावा जहांजहां बाघ अभयारण्य बनाए गए हैं वहां अभी भी गांवों का विस्थापन पूर्ण नहीं हो रहा है। बाघों के लिए गांवों का विस्थापन करना बहुत जरूरी है। खांडल ने बताया कि रणथम्भौर के अलावा कैलादेवी अभयारण्य को भी बाघों के अनुकूल बनाना होगा। वहां किसी भी तरह का कन्जर्वेशन का काम नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि न तो वहां पर गांवों का विस्थापन हो पा रहा है और न ही समूचित वन प्रबंधन है।

विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ती बाघ गतिविधियों ने रणथम्भौर बाघ अभयारण्य के भीतर पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। त्रिनेत्र गणेश मंदिर और ऐतिहासिक रणथम्भौर किले के मार्ग पर अक्सर बाघ देखे जाते हैं, जिसके चलते अधिकारियों को समय-समय पर मार्ग बंद करना पड़ता है।

पिछले वर्ष अप्रैल में मंदिर मार्ग पर एक बाघिन ने सात वर्षीय बच्चे पर हमला कर उसकी जान ले ली थी। मई में एक अन्य घटना में जोगी महल क्षेत्र में एक वन रेंजर की बाघ हमले में मौत हो गई थी।

जैसलमेर में दादागुरुदेव चादर महोत्सव संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान के जैसलमेर में आयोजित तीन दिवसीय दादागुरुदेव चादर महोत्सव रविवार को विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न हुआ। आयोजकों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। आयोजकों के मुताबिक इस अवसर पर आचार्य जिनमणिप्रभ सुरीश्वरजी महाराज को महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने 'राष्ट्र रत्न' की उपाधि से सम्मानित किया। दादागुरु जिनदत्त सूरी चादर महोत्सव समिति, जैसलमेर जैन ट्रस्ट ने भी उन्हें 'सुरी सम्राट' की उपाधि प्रदान की। समारोह के दौरान उपाध्याय प्रवर महेंद्रसागर को आचार्य पद से अलंकृत किया गया।दादागुरु श्रीजिनदत्त सूरी चादर महोत्सव समिति के राष्ट्रीय सचिव पद्म टाटिया ने बताया कि इस अद्भुत समारोह में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने फोन कर इसकी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ऐसे आयोजन राजस्थान में धर्म और अध्यात्म की भावना को सुदृढ़ करते हैं। समारोह में देश-विदेश से आए साधु-साध्वियों, संतों और हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने आचार्य महेंद्रसागर का जोरदार जयघोष के साथ स्वागत किया। इस अवसर पर एक गणिनी पद समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें साध्वी शुभ्रदा श्रीजी को गणिनी की उपाधि प्रदान की गई। यह चादर महोत्सव छह मार्च से प्रारंभ हुआ था। उद्घाटन दिवस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने 'धर्म सभा' को संबोधित किया था।

नागौर कोर्ट को फिर मिली बम से उड़ाने की धमकी

नागौर। राजस्थान के नागौर कोर्ट को बम धमकी मिलने के बाद सोमवार को पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों ने पूरे परिसर को खाली करवा कर जांच शुरू कर दी। कोर्ट परिसर में तकनीक और डॉग स्क्वाड की मदद से हर एरिया की जांच की जा रही है ताकि जान और संपत्ति पर खतरा कम से कम हो। पुलिस ने बताया कि धमकी भरा ईमेल कहां से आया, इसकी भी पुष्टि की जा रही है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, ईमेल सीधे कोर्ट में आया था और उसके बाद बाकी कोर्ट को अलर्ट कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, धमकियां ज्यादातर ईमेल के जरिए आ रही हैं और अभी तक उनका सोर्स पता नहीं चल पाया है। कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला कि धमकी कहां से आ रही है और क्यों दी जा रही है। जब भी ऐसे थ्रेट्स आते हैं तो पूरी सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखा जाता है। ऐसे में हमारा फोकस यही रहता है कि अगर थ्रेट एक्टिव भी हो जाए तो नुकसान को मिनिमम किया जा सके।

एक वकील ने बताया कि धमकियों का सिलसिला पिछले एक महीने से चल रहा है। यह दूसरी बार है जब नागौर कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इस दौरान कोर्ट की कार्यवाही प्रभावित हुई है और जमानत और अन्य मामलों में देरी हुई है। सुरक्षा के लिए पुलिस फोर्स कोर्ट परिसर में हर गतिविधि पर नजर रख रही है। उनका कहना है कि असली चुनौती है इस धमकी के सोर्स का पता लगाना। सरकार और संबंधित एजेंसियों को चाहिए कि मेल का सोर्स जल्दी से जल्दी पता करे। पिछले कुछ समय में ऐसी धमकियां जोधपुर, जयपुर, बीकानेर में भी मिली हैं। ऐसी धमकियों से कोर्ट और प्रशासन पर बहुत असर पड़ रहा है।

पुलिस और कोर्ट स्टाफ पूरी मेहनत कर रहे हैं कि सुरक्षा में कोई कमी न आए और प्रशासनिक काम प्रभावित न हो, लेकिन बिना सोर्स का पता चले, ये धमकियां लगातार चिंता का कारण बन रही हैं। वकील और कोर्ट स्टाफ का कहना है कि प्रशासन और एजेंसियों को मिलकर इस सोर्स की पहचान करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी धमकियों से बचा जा सके।

कौशल, उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कौशल, उद्यमिता एवं रोजगार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा ने सोमवार को सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन (181) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभाग से संबंधित दर्ज शिकायतों की समीक्षा की तथा परिवादियों से सीधे संवाद कर उनके प्रकरणों के निस्तारण के बारे में जानकारी ली।

वर्मा ने विभाग से जुड़े परिवादों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए शिकायतों के समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए राजस्थान संपर्क पोर्टल एक महत्वपूर्ण मंच है और इसके माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा विभाग से संबंधित प्रकरणों की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कई परिवादी से सीधे संवाद कर संबंधित शिकायत के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान अधिकारियों ने बताया कि राजस्थान संपर्क पोर्टल पर कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग से संबंधित कुल 38,690 प्रकरण दर्ज हुए, जिनमें से 37,768 प्रकरणों का निस्तारण किया जा चुका है।

वर्तमान में 922 प्रकरण लंबित हैं। प्रकरणों के निस्तारण की औसत अवधि 12 दिन रही तथा करीब 71.94 प्रतिशत परिवादियों ने समाधान पर संतुष्टि व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार आमजन से जुड़ी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के सचिव निर्धारित तिथियों में राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन पर स्वयं उपस्थित रहकर परिवादियों से सीधा संवाद स्थापित कर रहे हैं। इस अवसर पर कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता विभाग, राजस्थान पब्लिक ग्रिवेंसेज प्रकोष्ठ तथा सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

ईको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के प्रयासों पर मंथन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में राजस्थान प्रोटेक्टेड एरिया कंजरवेशन सोसायटी (आरपीएसीएस) के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आरपीएसीएस के सचिव एवं अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक (सीडब्ल्यूएलडब्ल्यू) ने आवास पुनर्स्थापन तथा वन्यजीव अवसंरचना विकास के क्षेत्र में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की जानकारी दी। साथ ही वित्तीय वर्ष 202627 के लिए वार्षिक कार्य योजना (एपीओ) अप्रैल माह में प्रस्तुत किए जाने की जानकारी भी दी गई। बैठक में बताया गया कि आरपीएसीएस के तहत आक्रामक प्रजातियों को हटाने और प्राकृतिक आवास के पुनर्स्थापन में उल्लेखनीय प्रगति हुई है, जिससे स्थानीय जैव विविधता को बढ़ावा मिला है। संवेदनशील वन क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए सुरक्षा दीवारों का निर्माण किया गया है। साथ ही जल संरक्षण एवं आवास सुधार से जुड़े कार्यों में भी महत्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं, जिससे वन्यजीवों के लिए वर्षभर संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

आगामी गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया गया कि मुख्य सचिव के मार्गदर्शन में आरपीएसीएस द्वारा राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशालाओं के माध्यम से संरक्षण से जुड़ी 'सफलता की कहानियां' साझा की जाएंगी।

आगामी गवर्निंग बॉडी बैठकों में विषय विशेषज्ञों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि संरक्षण के क्षेत्र में नवीन और नवाचारपूर्ण विचार सामने आ सकें।

वन विभाग इन प्रयासों को व्यापक स्तर पर साझा करने के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाएगा। साथ ही एक स्मारक कॉफी टेबल बुक भी प्रकाशित की जाएगी। इसके साथ ही वर्तमान नीतियों के अनुरूप ग्राम पुनर्वास कार्यक्रम को गति देने के निर्देश दिए गए हैं। विभागीय विश्राम गृहों के नवीनीकरण तथा एक आधुनिक इंटर-प्रिटेशन सेंटर के विकास की भी योजना बनाई गई है, जिससे ईको-टूरिज्म और जन जागरुकता को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एचओएफ), प्रधान मुख्य वन संरक्षक (विकास) तथा वित्त एवं वन विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

शैक्षणिक और अनुसंधान का उत्कृष्ट केंद्र बनेगा आयुर्वेद : प्रेमचंद बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधान सभा में सोमवार को राजस्थान आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा विश्वविद्यालय अजमेर विधेयक, 2026 ध्वनिमत से पारित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर को 38 साल के बाद मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में दूसरा राजकीय विश्वविद्यालय मिला है। इसकी स्थापना से मेरा सपना साकार हो गया है। सदन में विधेयक पर चर्चा के बाद उप मुख्यमंत्री व आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा मंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में पारम्परिक चिकित्सा पद्धतियों के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ रही है। इस अजमेर में विश्वविद्यालय की स्थापना ऐतिहासिक पहल है। इससे 'स्वस्थ्य राजस्थान से समृद्ध राजस्थान' के लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित होगी।

डॉ. बैरवा ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए बजट वर्ष 2024-25 में घोषणा की गई थी। इसकी स्थापना से अब उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान की सुविधाओं में अधिक गुणवत्ता से सृदढ़ होंगी। यह विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए उत्कृष्ट अनुसंधान का केन्द्र बनेगा। विश्वविद्यालय के जरिए आयुर्वेद, यूनानी, योग और होम्योपैथी चिकित्सा को बढ़ावा मिलेगा। इसमें चिकित्सा की भारतीय पद्धतियों के आविष्कारों को शामिल किया जाएगा। इसके क्षेत्राधिकार को लेकर अधिसूचना जारी की जाएगी।

अधिनियम के अनुसार, विश्वविद्यालय में प्रबंध, विद्या, संकाय, अध्ययन, वित और लेखा समिति, अनुसंधान, खेल एवं छात्र कल्याण और नवाचार बोर्ड होंगे। कुलाधिपति द्वारा कुलगुरु की नियुक्ति किए जाने के बाद प्रबंध बोर्ड का गठन होगा। विश्वविद्यालय में संकाय बोर्ड के अंतर्गत आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार अन्य संकायों में अध्ययन होगा। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि इस विश्वविद्यालय के लिए महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर की भूमि में से 11.93 हैक्टेयर भूमि का आंवटन किया गया है।

महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में योग्य शिक्षकों की नियुक्ति करेंगे : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बड़ी संख्या में विद्यालयों को महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में रूपांतरित कर दिया गया था, लेकिन वहां शिक्षकों के पद सृजित नहीं किए गए। वर्तमान सरकार ने इस स्थिति को सुधारते हुए आवश्यकतानुसार पद सृजित किए हैं और साक्षात्कार के माध्यम से योग्य शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आवश्यकता के अनुसार शिक्षकों की नियुक्ति कर प्रदेश में शिक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित करेगी।

शिक्षा मंत्री प्रश्नकाल के दौरान विधायक महन्त बालकनाथ द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि गत सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में प्राथमिक से उच्च माध्यमिक स्तर तक के कुल 3 हजार 737 विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम के महात्मा गांधी राजकीय विद्यालयों में परिवर्तित किया गया था।

अकेले लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में ही 203 विद्यालयों को अंग्रेजी माध्यम में परिवर्तित कर दिया गया था। इन विद्यालयों में शिक्षकों की व्यवस्था नहीं की गई और कुछ स्थानों पर ऐसे शिक्षक लगाए गए जो स्वयं अंग्रेजी माध्यम से शिक्षित नहीं थे।

उन्होंने कहा कि वर्तमान में सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए बस की सुविधा का कोई प्रावधान नहीं है, लेकिन यदि इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त होगा तो उस पर विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कई विद्यालय संचालन की दृष्टि से व्यवहार्य नहीं हैं। इनमें कुछ विद्यालयों में 10 से भी कम विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। कहीं कहीं यह संख्या शून्य भी है।

इससे पूर्व शिक्षा मंत्री ने मूल प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्रदेश में वर्तमान में 3737 महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) तथा 134 स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल संचालित हैं। उन्होंने इन विद्यालयों का ब्लॉकवार एवं जिलेवार विवरण सदन के पटल पर रखा। उन्होंने इन विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की कक्षावार संख्या का विवरण तथा इन विद्यालयों में हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम में कार्यरत शिक्षकों का जिलेवार संख्यात्मक विवरण भी सदन के पटल पर रखा।

खेजड़ी के संरक्षण हेतु राज्य सरकार लाएगी कठोर कानून

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की संस्कृति और पर्यावरण प्रेमियों की भावनाओं के अनुरूप खेजड़ी को बचाने के लिए कृत संकल्पित है। खेजड़ी सहित अन्य महत्वपूर्ण प्रजातियों के वृक्षों के संरक्षण एवं सुरक्षा हेतु राज्य सरकार ने एक विशेष कानून लाने के अपने विनिश्चय और घोषणा की क्रियान्विति करने के लिए 'वृक्ष संरक्षण विधेयक' का प्रारूप तैयार करने हेतु एक उच्च स्तरीय समिति बनाई है। इस समिति की पहली बैठक सोमवार प्रातः संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में उनके निवास पर आयोजित की गई। बैठक में राजस्व एवं उपनिवेशन मंत्री हेमन्त मीणा, वन मंत्री संजय शर्मा सहित विधि विभाग के प्रमुख शासन सचिव, राजस्व विभाग के शासन सचिव एवं विधि विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

कमेटी द्वारा वृक्षों के संरक्षण हेतु एक मजबूत और बिना मुकदमे वाला कानून बनाने के लिए दूसरे राज्यों में मौजूद वृक्ष संरक्षण कानूनों के साथ तुलनात्मक अध्ययन कर विचार-विमर्श किया गया। प्रारूप विधेयक को अंतिम रूप दिए जाने से पहले संबंधित विभागों, विधि विशेषज्ञों और स्टेकहोल्डर के सुझावों पर विचार किया जा रहा है। कमेटी की अगली बैठक आगामी 11 मार्च को आयोजित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में केवल कृषि भूमि पर ही पेड़ों की कटाई की अनुमति का प्रावधान और अवैध पेड़ कटाई पर पेनल्टी का प्रावधान काश्तकारी कानून में है।

अब नया कानून लाकर हर प्रकार की भूमियों जैसे- आवंटित, रूपान्तरित, अधिग्रहित और आबादी भूमियों अर्थात समस्त गैर कृषि उपयोग वाली भूमियों पर भी वृक्ष संरक्षण के लिए कठोर प्रावधान किए जाएंगे। गैर कृषि उपयोग की इन भूमियों पर प्राधिकृत अधिकारी से अनुमति लेकर ही न्यूनतम आवश्यक पेड़ ही हटाए जा सकेंगे।

समयसीमा के भीतर समस्याओं का निस्तारण करे प्रशासन : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' कार्यक्रम में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को हर समस्या का समयसीमा के भीतर निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राज्य सरकार द्वारा यहां जारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिलों के प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर शिकायत का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बयान में कहा गया है कि मुलाकात के दौरान दो उद्यमियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों, विशेषकर उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन को निर्देश दिए कि उद्यमियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए।

उन्होंने स्पष्ट कहा कि निवेश और उद्योग विकास में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

बयान के अनुसार, कासगंज से आए एक व्यक्ति द्वारा पुलिस से जुड़ी शिकायत किए जाने पर मुख्यमंत्री ने संबंधित पुलिस अधीक्षक को मामले का संज्ञान लेते हुए समस्या का समयबद्ध निराकरण करने का आदेश दिया।

'जनता दर्शन' में कुछ अभिभावकों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने चॉकलेट दी और उनसे पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने बच्चों को मोबाइल फोन और सोशल मीडिया का काम से कम उपयोग करने की भी सलाह दी।

ओडिशा में 20 महीनों में 54 सांप्रदायिक दंगे, भीड़ हिंसा की सात घटनाएं हुईं : माझी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को विधानसभा को बताया कि जून 2024 से फरवरी 2026 के बीच राज्य में 54 सांप्रदायिक दंगे और भीड़ हिंसा (भीड़ द्वारा पीट-पीट कर हत्या) की सात घटनाएं दर्ज की गईं।

बीजू जनता दल (बीजद) विधायक गौतम बुद्ध दास के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मुख्यमंत्री ने जून 2024 से फरवरी 2026 के बीच राज्य के विभिन्न थानों में दर्ज सांप्रदायिक दंगों और भीड़ हिंसा के मामलों का विवरण प्रस्तुत किया। भाजपा सरकार ने 12 जून, 2024 को राज्य में कार्यभार संभाला था। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए जवाब के अनुसार, 54 सांप्रदायिक दंगे पांच जिलों (भद्रक, मलकानगिरी, बालासोर, कोरापुट और खुर्दा) में दर्ज किए गए, जबकि भीड़ हिंसा की सात घटनाएं चार जिलों (देवगढ़, ढेंकनाल, बालासोर और रायगड़ा) में दर्ज की गईं।

ओडिशा पुलिस ने पिछले 20 महीनों में दंगों से जुड़ी घटनाओं में कथित तौर पर शामिल 298 लोगों को गिरफ्तार किया है। भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या के मामलों में कथित संलिप्तता के लिए 61 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

रेस्तरांओं में 'कर चोरी' पर अंकुश लगाने के लिए आयकर विभाग ने विभिन्न शहरों में सर्वे किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग यह पता चलने के बाद कई शहरों में विभिन्न रेस्तरांओं का सत्यापन करने के लिए अभियान चला रहा है कि कुछ रेस्तराओं ने कर चोरी करने के लिए 'बिलिंग सॉफ्टवेयर' में हेरफेर करके कथित रूप से बिक्री को कम करके दिखाया। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि कर अधिकारी बिलिंग प्रणाली को समझने के लिए दिल्ली के लगभग पांच रेस्तरां समेत कई रेस्तरांओं का सर्वेक्षण (कार्यालय परिसर का दौरा) कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया कुछ दिन में समाप्त होने की उम्मीद है।

आयकर विभाग की हैदराबाद में स्थित जांच शाखा ने हाल ही में रेस्तरां बिलिंग सॉफ्टवेयर बनाने वाली एक स्थानीय कंपनी के परिसर का सर्वेक्षण किया, जिसमें पाया गया कि कुछ होटल और रेस्तरां कथित तौर पर सॉफ्टवेयर में हेरफेर करके अपनी आय को कम दिखा रहे थे।

अधिकारियों का अनुमान है कि अकेले हैदराबाद में स्थित रेस्तरांओं में करोड़ों रुपए की कर चोरी होने का संदेह है। उन्होंने बताया कि कर चोरी की संभावित सीमा का आकलन करने के उद्देश्य से रविवार से कई शहरों में यह सर्वेक्षण और सत्यापन अभियान शुरू किया गया है।

बिहार के कई जिलों में आंधी, बारिश और वज्रपात की चेतावनी, येलो अलर्ट जारी

पटना/भाषा। मौसम विभाग ने सोमवार को बिहार के कई जिलों में आंधी, बारिश और वज्रपात को लेकर चेतावनी जारी की है। विभाग के अनुसार सोमवार से राज्य के उत्तर और पूर्वी हिस्सों में मौसम बदल सकता है जिससे कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश और गरज-चमक की स्थिति बन सकती है। रविवार देर रात से ही बिहार के कई जिलों में मौसम में बदलाव महसूस किया गया। सीमांचल क्षेत्र के पूर्णिया, किशनगंज और अररिया समेत कई इलाकों में आसमान में घने बादल छा गए। सोमवार सुबह राजधानी पटना में भी मौसम बदला हुआ नजर आया। मौसम विभाग के अनुसार इस बदले मौसम का असर पूर्णिया से लेकर मुजफ्फरपुर और जमुई तक के इलाकों में देखने को मिल सकता है। इन जिलों में तेज हवा, गरज-चमक और बारिश की स्थिति बनने के संकेत हैं। इसे देखते हुए मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। उत्तर और पूर्वी बिहार के कई इलाकों में बिजली गिरने की भी आशंका जताई गई है, जिसके कारण लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

राज्यसभा : जयशंकर के बयान के दौरान विपक्ष के बहिर्गमन पर नड्डा ने कसा तंज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों के पश्चिम एशिया की स्थिति पर विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बयान के दौरान हंगामा करने और सदन से बहिर्गमन किए जाने को लेकर केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को आरोप लगाया कि विपक्ष केवल ''अराजकता'' फैलाना चाहता है।

उच्च सदन में राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने ''पश्चिम एशिया में हालात'' पर बयान देने के लिए विदेश मंत्री जयशंकर का नाम पुकारा। इसी बीच, कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी बात रखने की अनुमति मांगी। आसन से अनुमति मिलने पर खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में हो रहे संघर्ष में वृद्धि से देश की आर्थिक स्थिरता प्रभावित होगी और वहां कार्यरत भारतीय नागरिकों की सुरक्षा एवं आजीविका के लिए खतरा पैदा करेगी।

खरगे ने कहा, ''मैं ऊर्जा सुरक्षा और पश्चिम एशिया में तेजी से बदल रही भू-राजनीतिक स्थिति के प्रभाव पर एक संक्षिप्त चर्चा का अनुरोध करता हूं।'' उन्होंने कहा ''पश्चिम एशिया में तेजी से बदल रही राजनीतिक स्थिति अब वहीं तक सीमित नहीं है। इसका असर भारत की ऊर्जा स्थिति पर और उसकी साख पर पड़ रहा है। भारत अपनी कुल जरूरत का 55 फीसदी तेल आयात करता है। निश्चित रूप से पश्चिम एशिया के हालात से हमारी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित होगी।'' खरगे ने कहा कि ईरान तथा खाड़ी देशों में करीब एक करोड़ से अधिक भारतीय काम करते हैं तथा हाल की घटनाओं में कुछ भारतीय नागरिक भी मारे गए हैं। सभापति ने खरगे से कहा कि वह बाद में उन्हें बात रखने की अनुमति देंगे। उन्होंने जयशंकर को बयान देने के लिए कहा। जयशंकर के बयान शुरू करने पर, कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के सांसद खरगे को अपनी बात रखने देने और संक्षिप्त चर्चा की अनुमति देने की मांग करते रहे। आसन की ओर से अनुमति न दिए जाने पर विपक्ष के सदस्यों ने सदन से बहिर्गमन किया। जयशंकर ने अपना बयान दिया। इसके बाद सदन के नेता जे पी नड्डा ने विपक्ष के व्यवहार को ''असंवेदनशील तथा गैरजिम्मेदाराना'' करार दिया और कहा कि उनका उद्देश्य केवल ''अराजकता फैलाना'' है। उन्होंने कहा, ''विपक्ष का उद्देश्य केवल अराजकता फैलाना और संकीर्ण राजनीति करना है। संसद में उनकी कोई रुचि नहीं है।''

नड्डा ने यह भी कहा कि विपक्षी दल विभिन्न मुद्दों पर बहस और चर्चा की मांग करते हैं लेकिन चर्चा का जब मंत्री जवाब देते हैं तो विपक्षी दल उनका बहिष्कार करते हैं।

प. बंगाल में कानून व्यवस्था में कोई भी चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी: ज्ञानेश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को चेतावनी दी कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। कुमार ने राज्य में मादक पदार्थ संबंधी सलाहकार समिति के नहीं होने पर भी सवाल उठाया।

ये मुद्दे निर्वाचन आयोग की पूर्ण पीठ की राज्य के वरिष्ठ प्रशासनिक और कानून प्रवर्तन अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उठे, जिसका उद्देश्य अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का आकलन करना था।

निर्वाचन आयोग ने राज्य प्राधिकारियों को चेतावनी दी कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने या स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने में किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा, आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को स्पष्ट रूप से बता दिया है कि चुनाव संबंधी कानून-व्यवस्था में चूक या अवैध गतिविधियों की निगरानी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारियों के अनुसार, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने राज्य पुलिस से यह स्पष्टीकरण मांगा कि पश्चिम बंगाल में अन्य राज्यों की तरह मादक पदार्थ संबंधी सलाहकार समिति क्यों नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि जब महानिदेशक (कानून और व्यवस्था) विनीत गोयल ने जवाब देने का प्रयास किया, तो उन्हें तत्काल सुधारात्मक कदम सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

अधिकारी ने कहा, समीक्षा बैठक के दौरान, आयोग ने राज्य में मादक पदार्थ संबंधी सलाहकार समिति के अभाव पर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को जल्द से जल्द उचित कदम उठाने का निर्देश दिया।

अरुणाचल प्रदेश में पिछले छह वर्षों में 165 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया : नातुंग

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के गृह मंत्री मामा नातुंग ने सोमवार को विधानसभा को यह सूचित किया कि पिछले छह वर्षों के दौरान राज्य के उग्रवाद प्रभावित जिलों तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग में विभिन्न उग्रवादी संगठनों के कुल 165 उग्रवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। नेशनल पीपल्स पार्टी (एनपीपी) के विधायक थांगवांग वांगहाम के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में मंत्री ने बताया कि जनवरी 2020 से दिसंबर 2025 के बीच तिरप जिले में 47, चांगलांग में 41 और लोंगडिंग में 77 उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों के समक्ष हथियार डाले।

नातुंग ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों को सरकार की 'आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास योजना' के तहत लाभ दिए जाते हैं। उन्होंने सदन को सूचित किया कि पिछले वर्ष नौ जनवरी से लोअर दिबांग घाटी जिले के भीष्मकनगर में एक पुनर्वास शिविर संचालित हो रहा है, जहां वर्तमान में आत्मसमर्पण करने वाले पूर्व उग्रवादी रह रहे हैं। उनके कौशल विकास के लिए विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

खरगे ने पश्चिम एशिया संघर्ष, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर राज्यसभा में चर्चा कराने की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने पश्चिम एशिया में संघर्ष और इसकी वजह से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों पर सोमवार को उच्च सदन में संक्षिप्त चर्चा कराने की मांग की।

सदन की बैठक में खरगे ने घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) के दामों में 60 रुपए प्रति सिलेंडर और वाणिज्यिक गैस की दरों में 115 रुपए की बढ़ोतरी का हवाला देते हुए नियम 176 के तहत दिए गए अपने नोटिस का औचित्य बताया। उन्होंने कहा कि गैस की कीमतों में वृद्धि से गरीबों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा है और इसलिए इस महत्वपूर्ण विषय पर संक्षिप्त चर्चा की अनुमति दी जाए।

उच्च सदन के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने कहा कि वह नोटिस पर उचित विचार के बाद निर्णय देंगे।

खरगे ने कहा कि पश्चिम एशिया में तेजी से बदलती भू-राजनीतिक स्थिति अब केवल क्षेत्र तक सीमित नहीं रही है और इसका प्रभाव भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह संघर्ष भारत की छवि और प्रतिष्ठा पर भी असर डाल रहा है, क्योंकि देश कच्चे तेल की अपनी जरूरत का लगभग 55 प्रतिशत इस क्षेत्र से आयात करता है। उन्होंने बताया कि इस क्षेत्र में लगभग एक करोड़ भारतीय काम कर रहे हैं और कुछ भारतीयों के मारे जाने या लापता होने की खबरें भी आई हैं।

खरगे के अपनी बात रखने के बाद, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रम पर सदन में अपनी ओर से एक बयान दिया। इस पर कांग्रेस और अन्य विपक्षी सदस्यों ने विरोध जताया। उन्होंने मांग की कि बयान से पहले सदन में इस मुद्दे पर संक्षिप्त चर्चा होनी चाहिए।

विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच, जयशंकर ने अपना बयान पूरा किया। बयान खत्म होने से पहले, विपक्षी सदस्य चर्चा की मांग पूरी न होने पर विरोध जताते हुए सदन से बहिर्गमन कर गए।

सरकार पश्चिम एशिया मामले पर चर्चा नहीं चाहती : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि सरकार संसद में पश्चिम एशिया मामले पर चर्चा नहीं करना चाहती क्योंकि यह बात सामने आएगी कि ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को ब्लैकमेल किया जा रहा है और वह 'कम्प्रोमाइज्ड' हो चुके हैं।'' राहुल गांधी ने यह दावा भी किया, ''आपने देखा कि प्रधानमंत्री संसद से भाग गए हैं। अब वह सदन के अंदर नहीं आ पाएंगे।''

राहुल गांधी ने कहा, ''पश्चिम एशिया में आमूलचूल परिवर्तन करने की लड़ाई चल रही है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होने वाला है। पश्चिम एशिया एक जरूरी मुद्दा है, क्योंकि उसका असर ईंधन की कीमत और भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।''

उनका कहना था, ''वहीं, नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका से व्यापार समझौता कर लिया है और हमने स्टॉक बाजार का हाल देख लिया है। इस समझौते से देश की अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान होने वाला है।''

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने पश्चिम एशिया संकट से जुड़े विषय पर लोकसभा में चर्चा की मांग करते हुए हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित करनी पड़ी।

मोदी सरकार का दृष्टिकोण 'पहले घोषणा करें, उसके बाद सोचें' है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' के क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि इसके ब्योरे को लेकर अभी भी काम किया जा रहा है और यह मोदी सरकार के 'पहले घोषणा करें, उसके बाद सोचें' वाले रवैये का एक सटीक उदाहरण है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक खबर साझा की, जिसमें दावा किया गया कि पिछले साल दिसंबर में संसद द्वारा पारित किए गए कानून को लागू करने से पहले कई कदम उठाने होंगे। नया ग्रामीण रोजगार कानून कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार की प्रमुख योजना, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (मनरेगा) की जगह लाया गया है।

रमेश ने कहा, ''दिसंबर, 2025 में, केवल दो दिनों में मोदी सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा के माध्यम से मनरेगा को रद्द कर दिया। राज्यों के साथ कोई परामर्श नहीं किया गया। संबंधित स्थायी समिति द्वारा कोई विधायी जांच नहीं की गई।''

जल्द शुरू करूंगा बिहार के 38 जिलों का दौरा : निशांत कुमार

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने सोमवार को कहा कि जनता दल (यूनाइटेड) में औपचारिक रूप से शामिल होने के बाद वह आगामी कुछ दिनों में राज्य के सभी 38 जिलों का दौरा करेंगे।

निशांत ने अपनी मां मंजू सिन्हा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद संवाददाताओं से यह बात कही। मंजू सिन्हा की यह प्रतिमा राजधानी पटना के कंकड़बाग में उनके नाम पर बने एक पार्क में स्थापित है। निशांत रविवार को जद(यू) में औपचारिक रूप से शामिल हुए थे। निशांत अपने पिता एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के बाद पार्टी में शामिल हुए हैं।

झारखंड के गुमला में 'बच्चा चोर' होने के संदेह में भीड़ ने बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या की

गुमला/भाषा। झारखंड के गुमला जिले में कथित तौर पर बच्चा चोर होने के संदेह में भीड़ ने एक बुजुर्ग महिला की पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना रविवार रात बिशुनपुर थाना क्षेत्र के लगबा गांव में हुई। थाना प्रभारी अर्जुन कुमार यादव ने 'पीटीआई भाषा' को बताया, पीड़िता की उम्र 50 से 55 वर्ष के बीच थी। हम उसकी पहचान करने के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने बताया, महिला के बारे में यह अफवाह फैल गई थी कि वह बच्चा चुराने वाली है, जिसके बाद ग्रामीणों के एक समूह ने उसे लाठियों और पत्थरों से पीटा। सूचना मिलते ही हम तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला मानसिक रूप से अशक्त थी और पिछले कुछ दिनों से इलाके में भटक रही थी। अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। 10-15 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्हें पकड़ने के लिए कई जगहों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट रूप से भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला है।

नक्सलवाद ने वन संपदा को गहरा नुकसान पहुंचाया : भाजपा सांसद

नई दिल्ली/भाषा। नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही वन संपदा के समृद्ध होने की उम्मीद जताते हुए राज्यसभा में भाजपा के सदस्य ब्रजलाल ने कहा कि नक्सलियों की बिछाई बारूदी सुरंग फटने से सुरक्षा बलों के साथ-साथ वन भूमि और जीव-जंतुओं को भी गंभीर क्षति होती है। उच्च सदन में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा में भाग लेते हुए भाजपा के ब्रजलाल ने कहा कि ''नक्सलियों ने तिरुपति से लेकर पशुपति तक लाल गलियारा बनाने की योजना तैयार की थी और इसके लिए उन्होंने जो तैयारी की थी उसकी वजह से वन क्षेत्र को बहुत नुकसान पहुंचा।'' जिस वन संपदा पर जनजातियों का हक होता है, उसका नक्सलियों ने खुद फायदा उठाया और वनों को नुकसान पहुंचाया। जंगलों को काट-काट कर लकड़ी बेची गई, कई दुर्लभ प्रजातियों के औषधीय पौधों की तस्करी हुई। ब्रजलाल ने कहा कि नक्सलियों की बिछाई बारूदी सुरंग फटने से वन भूमि का बड़ा हिस्सा बर्बाद होता है क्योंकि बारूद जमीन की उर्वरता खत्म कर देती है। उन्होंने कहा, ''सुरक्षा बलों के साथ-साथ वन भूमि और जीव जंतुओं को भी गंभीर क्षति होती है। अगर जंगल में हाथी का पैर बारूदी सुरंग पर पड़ जाए तो कल्पना कीजिये कि उस हाथी की क्या हालत होगी।''

भाजपा ने नीतीश कुमार को किया 'डिजिटल अरेस्ट' : राजेश राम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश राम ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने की खबर से कांग्रेस को कोई आश्चर्य नहीं हुआ, क्योंकि यह पहले से ही तय था।

उन्होंने आरोप लगाया कि बिहार की मौजूदा सरकार वोट चोरी की बदौलत बनी है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लगातार पर्दे के पीछे से नीतीश कुमार को हटाने की साजिश रच रही थी।

राम ने सोमवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने अब नीतीश कुमार को डिजिटल अरेस्ट कर लिया है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि जो नीतीश कुमार हमेशा समाजवादी विचारधारा की लड़ाई लड़ते रहे, आज वही उस लड़ाई को भाजपा के हवाले कर चुके हैं और उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एजेंडे पर समझौता कर लिया है। राम ने सवाल किया कि आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि नीतीश कुमार अपने ही कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों के आंसुओं से भी नहीं पिघल रहे हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा की राजनीति सहयोगी दलों को कमजोर करने और खत्म करने की रही है। उन्होंने कहा कि जिस तरह भाजपा ने शिवसेना के नेता एकनाथ शिंदे को साथ लेकर बाद में मूल शिवसेना को कमजोर किया, उसी तरह शिरोमणि अकाली दल को भी कमजोर किया गया।

सफेद गेंद के तीनों आईसीसी खिताब जीत सकता है भारत : माइकल आर्थर्टन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आर्थर्टन का मानना है कि विश्व क्रिकेट में सफेद गेंद वाले प्रारूप में भारतीय टीम का इस कदर दबदबा हो गया है कि वे सीमित ओवरों के तीनों खिताब जीत सकती है। भारत ने न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर रिकॉर्ड तीसरी बार टी20 विश्व कप जीता। आर्थर्टन ने 'स्काय स्पोर्टस क्रिकेट' से कहा ,'' भारत सिर्फ बेहतरीन टी20 टीम ही नहीं बल्कि इस समय सीमित ओवरों की भी सबसे खास टीम है।''

उन्होंने कहा ,'' पिछले कुछ आईसीसी वैश्विक टूर्नामेंटों में उन्होंने 32 में से 30 (इस फाइनल से पहले) मैच जीते। सिर्फ एक बार यहां 50 ओवरों के विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने और इस टी20 विश्व कप में सुपर आठ के मैच में दक्षिण अफ्रीका ने उसे हराया।'' उन्होंने कहा ,'' सीमित ओवरों के क्रिकेट में वह सबसे मजबूत टीम है और इस जीत की हकदार भी।''रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम 2023 वनडे विश्व कप में लगातार दस जीत के साथ फाइनल में पहुंची जहां उसे ऑस्ट्रेलिया ने हराया। इसके बाद भारत ने 2024 टी20 विश्व कप अपराजेय रहकर जीता और 2025 चैम्पियंस ट्रॉफी में भी खिताब अपने नाम किया।आर्थर्टन ने कहा ,'' मुझे लगता है कि वे सारे खिताब जीत लेंगे।

सुविचार

प्रेम केवल एक शब्द नहीं, बल्कि एक एहसास है। इसे शब्दों से ज्यादा अपने व्यवहार और समर्पण से व्यक्त किया जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कितने तैयार हैं हम?

देश में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की कोई कमी नहीं है। इनकी निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के संबंध में केंद्र सरकार के आश्वासन के बावजूद कुछ लोग ज्यादा से ज्यादा ईंधन खरीद रहे हैं। सोशल मीडिया पर ऐसी तस्वीरें और वीडियो देखकर अन्य लोगों में भय फैलता है, कई आशंकाएं जन्म लेती हैं। जो लोग अफरा-तफरी मचाते हुए खरीदारी करते हैं, वे सिर्फ अपने हितों की परवाह करते हैं। उन्हें लगता है कि वे अपने भंडार भरकर बाकी जीवन आराम से गुजारेंगे। कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर अफवाह फैली थी कि देश में नमक की भारी कमी हो गई है। यह सुनते ही लोग दुकानों की ओर दौड़े और कई किलो नमक खरीद लिया था। उनमें ऐसे लोग भी थे, जिन्होंने यह सोचकर एक बोरी से ज्यादा नमक खरीदा कि 'क्या पता, भविष्य में मिले या न मिले!' बाद में, वे हंसी के पात्र बने और उन्हें अपने फैसले पर पछतावा हुआ। ईरान का इज़राइल-अमेरिका से युद्ध हमारे लिए एक आर्थिक चुनौती है, लेकिन यह कोरोना महामारी से बड़ी नहीं है। जब हमने वह मुसीबत पार कर ली तो यह क्या है? इसे भी पार कर लेंगे। सूझबूझ और समझदारी से हर बाधा पार कर सकते हैं। उससे कुछ सीखकर अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। दुनिया में परिस्थितियां बदलती रहती हैं। नागरिकों, खासकर युवाओं को उनके लिए तैयार करना चाहिए। नई पीढ़ी में धैर्य कम है। उसे सबकुछ तुरंत चाहिए। उसमें कष्ट सहन करने की क्षमता भी कम है। वह बिजली, मोबाइल फोन और इंटरनेट के बिना एक दिन नहीं रह सकती। उसे थोड़ी दूर भी जाना हो तो वाहन चाहिए।

क्या ज्यादा सुविधाएं हमें कमजोर बना रही हैं? इन पर अतिनिर्भरता कहां तक ठीक है? आज कई घर ऐसे हैं, जहां एक दिन बिजली न आए तो लोगों के पास रोशनी के लिए मोमबत्ती तक नहीं है। शहरों में कितने युवा ऐसे हैं, जो लालटेन साफ करना, उसमें बत्ती लगाना जानते हैं? उन्हें इसकी जरूरत ही नहीं पड़ी, क्योंकि चौबीसों घंटे बिजली रहती है। हमारे चारों ओर मशीनें हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकते। अगर किसी कारणवश ये काम न कर पाएं तो क्या जीवन रुक जाएगा? हमें इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बेहतर तो यह होगा कि हर महीने-दो महीने बाद ऐसे अभ्यास किए जाएं, जिनमें हमारी शक्ति और सामर्थ्य की परख हो। क्या हम एक दिन बिजली, पेट्रोल और डीजल का इस्तेमाल किए बिना रह सकते हैं? अगर कुछ दिनों तक हरी सब्जियों की आपूर्ति बाधित हो जाए तो हमारे घरों में कौनसी चीजें उनका विकल्प बन सकती हैं? क्या हम अपने घरों की खाली जमीनों या छतों पर सब्जियां उगा सकते हैं? अगर किसी दिन फोन और इंटरनेट काम न करें तो जरूरी संदेश पहुंचाने के लिए क्या व्यवस्था हो सकती है? शहरों में लोग दुकानों से आटा खरीदते हैं। इसके साथ घर में महीनेभर का अनाज और छोटी हाथ चक्की रखना सुविधाजनक होगा। सोचिए, भविष्य में किसी जगह ऐसी परिस्थिति पैदा हो जाए, जहां कुछ दिनों तक आटा पहुंचाना संभव न हो तो क्या होगा? उस समय आत्मनिर्भरता की जीवन शैली ही काम आएगी। जिसे इसकी कोई जानकारी नहीं है, वह क्या करेगा? पिछले साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया गया था। हालांकि यह सुधरा नहीं है। सोचिए, अगर भविष्य में भारत सरकार इस पड़ोसी देश के खिलाफ बहुत बड़ी कार्रवाई करने का फैसला ले तो उसके लिए आम नागरिकों की कितनी तैयारी है? क्या हम कुछ दिनों के लिए सुख-सुविधाएं छोड़ सकेंगे? जीवन फूलों की सेज नहीं है। यहां ठंडी छाया के बाद कांटे और लू के थपेड़े भी आ सकते हैं। जो लोग पहले से तैयार रहते हैं, वे ही विजयी होते हैं।

ट्वीटर टॉक

आज मेयो कॉलेज, अजमेर के प्रतिनिधिमंडल ने संसद भवन के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान भेंट की। इस अवसर पर विद्यार्थियों को भारतीय संविधान, लोकतांत्रिक व्यवस्था और संसदीय कार्यप्रणाली की जानकारी प्रदान की गई ।

-अर्जुनराम मेघवाल

आईसीसी टी-20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में न्यूज़ीलैंड को परास्त कर विश्व विजेता बनने पर भारतीय क्रिकेट टीम के सभी खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ एवं सहयोगी स्टाफ को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह ऐतिहासिक विजय पूरे देश के लिए गर्व और उत्साह का क्षण है।

-दिया कुमारी

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जोधपुर विद्यार्थी विकास निधि द्वारा संगठन शिल्पी प्रिय श्री यशवंत राव केलकर जी के जन्म शताब्दी वर्ष समारोह की श्रृंखला में विशेष कार्यक्रम में सहभाग करना प्रसन्नतादायक रहा। अभाविप राष्ट्र निर्माण में योगदान की पाठशाला है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

प्रेरक प्रसंग

भगवान को सहारा

वनवास को जाते समय जब केवट श्रीराम के चरण धो रहा था तब वह भगवान के एक पैर को धोता और उसे बाहर रख देता, फिर दूसरे पैर को धोने लगता। जैसे ही पहला पैर गीला होने के कारण ज़मीन पर रखा जाता, धूल लग जाती, तो केवट उसे फिर से बाहर रखता। वह भगवान के एक-एक पैर को सात-सात बार धोता। केवट ने भगवान से कहा, 'प्रभु, एक पैर कठौती में रखिए और दूसरा मेरे हाथ में, ताकि गंदगी न हो।' तब श्रीराम केवट से कहते हैं, 'केवट, मैं ऐसे गिर नहीं जाऊंगा?' केवट बोला, 'चिंता क्यों करते हो, प्रभु। दोनों हाथ मेरे सिर पर रखकर खड़े हो जाइए, फिर आप नहीं गिरेंगे।' जैसे कोई छोटा बच्चा अपनी मां के सिर पर हाथ रखकर खड़ा हो जाता है, वैसे ही भगवान भी खड़े हो गए। भगवान केवट से बोले, 'भइया केवट, मेरे अंदर का अभिमान आज टूट गया।' केवट ने पूछा, 'प्रभु, क्या कह रहे हैं आप?' भगवान बोले, 'सच कह रहा हूं केवट, अभी तक मेरे अंदर अभिमान था कि मैं भक्तों को गिरने से बचाता हूं, लेकिन आज मैंने यह महसूस किया कि भगवान को भी गिरने से बचाने की आवश्यकता है।'

सामयिक

निशांत के लिए नीतीश बनना इतना आसान नहीं

निशांत कुमार की शुरुआती पढ़ाई पटना के सेंट कैरेंस स्कूल से हुई। इसके बाद वह मसूरी चले गए। यहां पर मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद निशांत ने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी , मेसरा से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। जदयू की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, निशांत कुमार तीन करोड़ 68 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति के मालिक हैं।

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार विधिवत जेडी यू में शामिल हो गये है। अब उनके उप मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ़ हो चुका है। यह सच है निशांत के लिए नीतीश बनना इतना आसान नहीं है। नीतीश संघर्ष की भट्टी में तप कर निकले नेता है वहीँ निशांत पिता की राजसी छात्र छाया में पलकर बड़े हुए है। हालाँकि दोनों इंजीनियरिंग स्नातक है। निशांत ने बिरला इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड साइंस से इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की है। उन्होंने सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग में स्नातक किया है। बिहार के अबतक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को जनता दल यूनाईटेड राज्यसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाने जा रही है। निशांत कुमार राजनीति में तो आ रहे हैं लेकिन उनके सामने कई चुनौतियां हैं। उन्हें यह साबित करना होगा कि वे उन्हीं नीतीश के बेटे हैं जो बिहार में आम जन के निर्विवाद नेता हैं। इसके साथ बिहार की सियासत करवट ले रही है और नए युग की शुरुआत की ओर राज्य बढ़ चला है। नीतीश युग समाप्ति की ओर है और युवा नेतृत्व के कंधों पर जिम्मेदारी सौंपने की तैयारी है। जनता दल यूनाइटेड ने अब नेतृत्व परिवर्तन का मन बना लिया है। नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार के लिए सरकार और संगठन में जिम्मेदारी तय की जा रही है।

बिहार और देश की सियासत में नीतीश कुमार ने लंबी लकीर खींची हैं। ऐसे में निशांत कुमार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे यह साबित करें कि वे सिर्फ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे नहीं, बल्कि अपने दम पर जननेता बन सकते हैं। यह सर्वविदित है नीतीश कुमार ने हमेशा राजनीति में परिवार का विरोध किया। परिवारवाद को लेकर वे अक्सर अपने मित्र लालू प्रसाद पर भी आरोप लगाते रहे हैं। लेकिन अचानक उनके बेटे निशांत की एंट्री ने लोगों को चौंकाया भी है। अब निशांत को अपनी काबिलियत साबित करनी होंगी तभी वे जनता का ख़िताब हासिल कर पाएंगे। जेडी यू के नेताओं ने काफी सोच समझकर नेता और सत्ता बदल का यह फैसला लिया। नीतीश को गिरते स्वास्थ्य के चलते पहले की तरह काम कर पाने की ऊर्जा नहीं मिल पा रही है। इसलिए पार्टी के अंदर उन्हें राज्यसभा भेजने का फैसला लिया गया। कई सार्वजनिक समारोहों में नीतीश की गतिविधियां उनकी पार्टी को रास नहीं आ रही थी। .विपक्ष भी समय समय पर अपनी अंगुली उठा रहा था। ऐसे में नीतीश का हटना जरुरी हो गया था। ऐसे में निशांत को पार्टी के अंदर सक्रिय भूमिका सौंपना जनता दल यूनाइटेड की मजबूरी भी थी और समय की जरुरत भी।

राजनीतिक गलियारों में कई संभावित नामों को लेकर चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं। हालांकि संविधान के नियमों के मुताबिक नीतीश कुमार चाहें तो राज्यसभा सदस्य बनने के बाद भी कुछ महीनों तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। संविधान के प्रावधानों के मुताबिक मुख्यमंत्री को राज्यपाल नियुक्त करते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 164 (1) में इसका जिक्र है। वहीं अनुच्छेद 164 (4) में यह व्यवस्था दी गई है कि कोई भी व्यक्ति बिना विधायक या विधान परिषद सदस्य बने अधिकतम 6 महीने तक मुख्यमंत्री पद पर रह सकता है। इसका सीधा मतलब यह है कि अगर नीतीश कुमार विधान परिषद की सदस्यता छोड़कर राज्यसभा चले जाते हैं, तब भी वे सैद्धांतिक रूप से छह महीने तक मुख्यमंत्री बने रह सकते है।

20 जुलाई 1975 को जन्मे नीतीश के इकलौते पुत्र निशांत कुमार की शुरुआती पढ़ाई पटना के सेंट कैरेंस स्कूल से हुई। इसके बाद वह मसूरी चले गए। यहां पर मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल से पढ़ाई की। इसके बाद निशांत ने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (BIT), मेसरा से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। जदयू की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, निशांत कुमार तीन करोड़ 68 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति के मालिक हैं। इनके पास एक करोड़ 28 लाख रुपये की जमा राशि है। यह राशि बैंक और एफडी के रूप में जमा है। वहीं करीब दो करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है। इसमें खेती की जमीन और मकान है। यह संपत्ति उन्हें उनकी मां मंजू सिन्हा के निधन के बाद मिला। राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि उन्हें सीधे बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है और डिप्टी मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

मंथन

आंकड़ों के पीछे छिपी त्रासदी और समाज की बड़ी चुनौती

देवेंद्र सिंह

मोबाइल : 80946 61100

भारत में लापता बच्चों का मुद्दा लगातार गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। हाल ही में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की मिसिंग चिल्ड्रन' रिपोर्ट ने इस समस्या की भयावहता को एक बार फिर उजागर कर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33,577 बच्चे लापता हुए। इनमें से 25,800 बच्चों को खोज लिया गया, लेकिन 7,777 बच्चे अब भी लापता हैं। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं, बल्कि हजारों परिवारों की पीड़ा, असुरक्षा और इंतजार की कहानी है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में बच्चों की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्रों में बच्चों के लापता होने की घटनाएं अधिक सामने आती हैं। महानगरों की बात करे तो राजधानी दिल्ली में साल दर साल सबसे ज्यादा बच्चे लापता होने के मामले दर्ज हो रहे हैं। अकेले 2025 में ही राजधानी में लगभग 5717 नाबालिगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई। दिल्ली से सिर्फ 2026 के शुरुआती 27 दिनों में ही 137 बच्चे लापता हुए हैं, जिन्हें अभी तक ढूंढा नहीं जा सका है। साल दर साल बढ़ते ये आंकड़े यह संकेत देते हैं कि बाल सुरक्षा व्यवस्था में अभी भी कई कमियां मौजूद हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लापता बच्चों में लगभग 75 प्रतिशत लड़कियां होती हैं, जो इस समस्या को और गंभीर बना देता है। राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पश्चिम बंगाल इस सूची में सबसे ऊपर है। यहां एक साल के भीतर 19,145 बच्चे लापता हुए। इनमें से 15,465 बच्चों को ढूंढ़ लिया गया, लेकिन 3,680 बच्चे अब भी नहीं मिले। इसके बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है, जहां 4,256 बच्चे लापता हुए और इनमें से 1,059 बच्चों का अब तक कोई सुराग नहीं मिला। तीसरे स्थान पर हरियाणा है, जहां जनवरी 2025 से जनवरी 2026 के बीच 2,209 बच्चे लापता हुए और 353 बच्चे अभी भी लापता हैं। हरियाणा में यह संख्या पड़ोसी राज्यों पंजाब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ की तुलना में कई गुना अधिक है। हिमाचल प्रदेश का एक चौंकाने वाला तथ्य यह भी है कि वहां लापता हुए 8 बच्चों में से एक भी अब तक नहीं मिला। राजस्थान इस सूची में आठवें स्थान पर है। यहां पिछले एक वर्ष में 745 बच्चे लापता हुए, जिनमें से 499 बच्चों को उनके परिवारों तक पहुंचा दिया गया, जबकि 246 बच्चे अब भी लापता हैं। वहीं सकारात्मक पहलू यह भी है कि कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लापता बच्चों की कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई। नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, त्रिपुरा, गुजरात, लक्षद्वीप तथा दादरा और नगर हवेली में इस अवधि के दौरान बच्चों के लापता होने का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

यदि वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो यह समस्या केवल भारत तक सीमित नहीं है। पूरी दुनिया में हर वर्ष लगभग 80 लाख बच्चे लापता होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। अमेरिका में करीब 4.6 लाख, ब्रिटेन में 1.12 लाख और जर्मनी में लगभग 1 लाख बच्चों के हर साल गायब होने की रिपोर्ट दर्ज होती है। यूरोप

में भी स्थिति चिंताजनक है। वर्ष 2021 से 2023 के बीच वहां 51,000 से अधिक नाबालिग बच्चे, जो बिना अभिभावकों के यात्रा कर रहे थे, लापता हो गए। आंकड़ों का गहन विश्लेषण यह भी बताता है कि लापता होने वाले बच्चों में 12 से 17 वर्ष की आयु के किशोर सबसे अधिक होते हैं। यह उम्र भावनात्मक रूप से बेहद संवेदनशील होती है। इस दौरान बच्चे मानसिक दबाव, पारिवारिक तनाव या सामाजिक प्रभावों के कारण जल्दी प्रभावित हो जाते हैं। कई मामलों में लड़कियां नौकरी, शादी या बेहतर जीवन के झूठे झांसों में फंस जाती हैं और मानव तस्करी के नेटवर्क का शिकार बन जाती हैं। दुखद सच्चाई यह है कि लापता हुई कई लड़कियों को बाद में देह व्यापार जैसे अमानवीय धंधों में धकेल दिया जाता है, जहां से उनका वापस लौटना बहुत कठिन हो जाता है।

बच्चों के घर से लापता होने के पीछे कई सामाजिक और पारिवारिक कारण भी होते हैं। कई बच्चे घर में होने वाले माता-पिता के झगड़े, घरेलू हिंसा, यौन शोषण या आर्थिक मजबूरी के कारण घर छोड़ देते हैं। कुछ बच्चे पढ़ाई के दबाव, परीक्षा में असफलता या डांट-फटकार के डर से भी घर से भाग जाते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर संगठित गिरोहों के जाल में फंस जाते हैं, जो उन्हें भिक्षावृत्ति, बाल श्रम या अन्य आपराधिक गतिविधियों में धकेल देते हैं। हालांकि इस चुनौती से निपटने के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों ने कई प्रयास किए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2016 से अब तक लगभग 4 लाख लापता बच्चों को बचाया जा चुका है। इसके लिए विशेष अभियान, तकनीकी निगरानी, पुलिस की विशेष इकाइयों और बाल संरक्षण संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

इसके बावजूद विशेषज्ञ मानते हैं कि केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। समाज और परिवार की जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है। अभिभावकों को अपने बच्चों की गतिविधियों पर ध्यान देना चाहिए और उन्हें सुरक्षा के मूलभूत नियम सिखाने चाहिए। बच्चों को यह बताया जाना चाहिए कि वे अजनबियों से सावधान रहें, अपना पता और अभिभावकों का फोन नंबर याद रखें तथा किसी भी संकट की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 जैसे नंबर का उपयोग करें। वहीं बच्चों को भी चाहिए कि वे क्षणिक आवेश में घर नहीं छोड़े।

दरअसल, लापता बच्चों का हर मामला केवल एक आंकड़ा नहीं होता, बल्कि उसके पीछे किसी परिवार की अधूरी उम्मीदें, चिंता और दर्द छिपा होता है। इसलिए बच्चों की सुरक्षा को केवल सरकारी जिम्मेदारी मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। यह पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हर बच्चे को सुरक्षित बचपन और उज्ज्वल भविष्य मिल सके।

नजरिया

नवप्रवर्तन राष्ट्र : जीवन है चलने का नाम

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 90094 15415

भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है।

नवप्रवर्तन राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि के दिशा प्रवर्त्तक होते हैं। किसी भी देश में समस्त प्रयासों की रचनात्मक भूमिका होनी चाहिए उसी के फल स्वरुप राष्ट्र का आर्थिक तंत्र मजबूत तथा शक्तिशाली होता है। जीवन है चलने का नाम, गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नवप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है। इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 37 नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है। नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है। सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं। इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

हवाई हमला

दक्षिण लेबनान के सिडोन शहर में स्थित 'ऐन अल-हिलवेह' फिलिस्तीनी शरणार्थी शिविर पर रविवार दोपहर दो इजरायली हवाई हमले हुए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इन हमलों में भारी तबाही हुई है और कई लोग हताहत हुए हैं।

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मुजतबा कौन हैं, परिवर्तन लाएंगे या अधिक क्रूरता के साथ दमन होगा?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। रमजान के पवित्र महीने के दौरान ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत, ईरान के इस्लामी गणराज्य के इतिहास के सबसे अहम मोड़ों में से एक है।अली खामेनेई के उत्तराधिकारी और उनके पुत्र मुजतबा खामेनेई, 1979 की ईरानी क्रांति के बाद स्थापित क्रांतिकारी व्यवस्था में निरंतरता और विरोधाभास दोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

दांव पर न केवल यह है कि ईरान का नेतृत्व कौन करेगा, बल्कि यह भी है कि वंशवादी शासन के अंत का वादा करने वाली क्रांति के लगभग आधी सदी बाद इस्लामी गणराज्य क्या बन गया है।मुजतबा खामेनेई एक धर्मगुरु हैं जिन्होंने अपने करियर का अधिकांश समय सार्वजनिक पद से दूर रहकर लेकिन सत्ता के करीब रहते हुए (सर्वोच्च नेता के कार्यालय में काम करते हुए) बिताया है।उन्हें अक्सर एक औपचारिक पद धारण करने वाले सार्वजनिक राजनीतिक व्यक्ति के बजाय एक द्वारपाल और सत्ता के गलियारे के मध्यस्थ के रूप में देखा जाता था। महज 17 वर्ष की उम्र में उन्होंने ईरान-इराक युद्ध में संक्षिप्त रूप से सेवा दी थी। उन्होंने 1990 के दशक के उत्तरार्ध में जनता का ध्यान आकर्षित करना शुरू किया, क्योंकि उस समय तक उनके पिता की सत्ता सर्वोच्च नेता के रूप में सुदृढ़ रूप से स्थापित हो चुकी थी।

समय के साथ उनकी प्रतिष्ठा दो प्रमुख विशेषताओं पर केंद्रित हो गई है। पहली, ईरान के सुरक्षा तंत्र विशेष रूप से इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) और इसके कट्टरपंथी नेटवर्क के साथ उनके घनिष्ठ संबंध। दूसरी, सुधारवादी राजनीति और पश्चिमी हस्तक्षेप के प्रति उनका कड़ा विरोध।

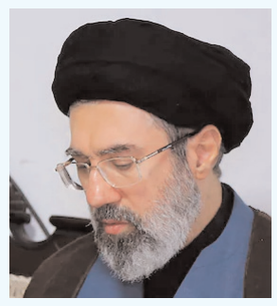

आलोचकों ने उन्हें 2009 के विवादित राष्ट्रपति चुनाव के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों के दमन से जोड़ा है। यह भी माना जाता है कि उन्होंने ईरान के सरकारी प्रसारण संगठन पर प्रभाव डाला है, जिससे उन्हें देश के सूचना परिदृश्य और राज्य के विमर्श के कुछ हिस्सों पर अप्रत्यक्ष नियंत्रण प्राप्त हुआ है। वर्ष 2019 में ट्रंप प्रशासन ने मुजतबा पर प्रतिबंध लगा दिया था, उन पर आरोप था कि वे कोई औपचारिक सरकारी पद धारण किए बिना सर्वोच्च नेता की ओर से आधिकारिक क्षमता में कार्य कर रहे थे। ईरान का संविधान यह निर्धारित करता है कि विशेषज्ञों की सभा (88 सदस्यीय धर्मगुरुओं का निकाय) सर्वोच्च नेता का चयन करती है। सभा संभावित उम्मीदवारों की धार्मिक, राजनीतिक और नेतृत्व संबंधी योग्यताओं की सूची बनाती है। सभा के उम्मीदवारों की जांच उन संस्थानों के माध्यम से की जाती है जो अंततः सर्वोच्च नेता के प्रभाव से प्रभावित होते हैं, और इसकी विचार-विमर्श प्रक्रिया अपारदर्शी होती है।

आकलन करते समय यह भी महत्वपूर्ण है कि मुजतबा को एक व्यवहार्य सर्वोच्च नेता के रूप में क्यों देखा जाता है, जबकि उन पर यह आरोप लगाया जाता है कि उनके पास इस पद से जुड़ी पारंपरिक रूप से वरिष्ठ धर्म गुरु होने जैसी प्रतिष्ठा का अभाव है। मध्यम श्रेणी के धर्मगुरु मुजतबा को 2022 में ही अयातुल्ला की उपाधि दे दी गई थी। सर्वोच्च नेता बनने के लिए यह उपाधि आवश्यक है।

इसलिए इस पदोन्नति से संकेत मिलता है कि उन्हें अपने वृद्ध और बीमार पिता के बाद सत्ता संभालने के लिए तैयार किया जा रहा था। क्रांति का मूलभूत मिथिक स्पष्ट रूप से वंशवाद-विरोधी थी। शाह को सत्ता से हटाने के बाद क्रांतिकारी नेताओं ने वंशानुगत शासन को अस्वीकार कर दिया था। कई ईरानियों के लिए, एक पुत्र का अपने पिता के बाद सर्वोच्च नेता बनना एक वैचारिक पतन जैसा लगता है।

पर्यावरण शुद्धि के साथ-साथ राजनीतिक प्रदूषण की शुद्धि भी आवश्यक है : तिवाड़ी

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को कांग्रेस सहित विपक्ष के हंगामे और सदन से उनके वॉकआउट करने की ओर परोक्ष संकेत करते हुए भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि देश में पर्यावरण शुद्धि के साथ-साथ राजनीतिक प्रदूषण की भी शुद्धि आवश्यक है।

तिवाड़ी ने उच्च सदन में यह टिप्पणी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा में भाग लेते हुए की। इससे पहले आज सदन में विदेश मंत्री एस जयशंकर का पश्चिम एशिया के ताजा हालात को लेकर एक बयान हुआ था और इस बयान पर चर्चा कराने की मांग को लेकर कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने सदन से बहिर्गमन किया।

पर्यावरण मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों के सदन में नहीं होने की ओर परोक्ष संकेत करते हुए घनश्याम तिवाड़ी ने कहा, ''हम जलवायु ठीक करना चाहते हैं, पर्यावरण ठीक करना चाहते हैं, राजनीतिक रूप से जो पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है, वो सदन में बार-बार हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि पर्यावरण की शुद्धि के साथ-साथ राजनीतिक प्रदूषण की शुद्धि भी आवश्यक है, इस पर

भी सभी को विचार करना चाहिए।

तिवाड़ी ने कहा कि संप्रग के शासनकाल के दौरान 2012-13 में पर्यावरण मंत्रालय के लिए 2,430 करोड़ रुपए दिए गए थे जो मोदी सरकार ने 2026-27 के बजट में बढ़ाकर 3,759 करोड़ से अधिक कर दिए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के लिए मोदी सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों का उल्लेख किया। उन्होंने प्रधानमंत्री के 'मां के नाम एक पेड़' अभियान को लेकर भावनात्मक अपील की।

भाजपा सांसद ने कहा कि इस भावनात्मक अपील का परिणाम था कि देश में 262.4 करोड़ पौधे लगाये गए। उन्होंने दावा किया कि यह आज तक का सबसे बड़ा (पौधारोपण) अभियान है। उन्होंने बाघ संरक्षण के लिए सरकार द्वारा किए गए प्रयासों के परिणामों की चर्चा करते हुए कहा कि 2010 में बाघों की संख्या 1,706 थी जो 2022 में बढ़कर 3,682 हो गई। उन्होंने कहा कि आज विश्व के 75 प्रतिशत बाघ भारत में हैं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी ने पंचामृत प्रतिज्ञा करवायी थी, जिसके तहत 2023 तक 500 गीगाबाइट गैर जीवाश्म ऊर्जा, 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा, एक अरब टन उत्सर्जन कटौती, 45 प्रतिशत कार्बन तीव्रता में कमी और 2070 तक नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने की बात थी।'' तिवाड़ी ने कहा कि 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन का लक्ष्य हासिल कर लिया गया है जो बहुत बड़ा काम है।चर्चा में भाग लेते हुए रामभाई मोकरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण को अपना व्यक्तिगत अभियान बना लिया है। उन्होंने अपनी बात गुजराती भाषा में रखी। भाजपा के सुमेर सिंह सोलंकी ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि जनजातीय समाज प्रकृति को देवता मानता है, मां मानता है और इस समाज ने वृक्षों और वनों की जितनी रक्षा की है, उतनी कोई और नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए इन लोगों से सीख लेनी चाहिए।

मंदिर दौरा

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने सोमवार, 09 मार्च को पंजाब के पटियाला जिले में स्थित 'श्री काली देवी जी मंदिर' में माथा टेका और पूजा-अर्चना की।

शुरू में सब कुछ सामान्य लगता है, लेकिन धीरे-धीरे तीनों लड़कियों का जीवन बदलता है और उन्हें धर्मांतरण और धार्मिक दबाव का सामना करना पड़ता है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे इन तीनों लड़कियों को प्यार और शादी के बहाने फंसाया जाता है। 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

बेबाक और निडर है 'द केरल स्टोरी 2' की दिव्या

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड फिल्म 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' में अपने किरदार दिव्या को लेकर अदिति भाटिया ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस पोस्ट में वह डांस रील बनाती नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन के जरिए अपने किरदार दिव्या के बारे में खुलकर बताया। वीडियो को पोस्ट करते हुए अदिति ने कैप्शन में लिखा, ''दिव्या के लिए डांस उसका जुनून है। वह बेबाक और निडर है, यह रोल मेरे लिए एक अलग अनुभव लेकर आया। दिव्या एक ऐसी लड़की है, जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।''

उन्होंने कहा, ''मैंने खुद कभी डांस रील नहीं बनाई, लेकिन इस रोल के जरिए मुझे इस दुनिया का हिस्सा बनने का मौका मिला।'' अदिति का यह पोस्ट सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है और फैंस इसे बेहद पसंद भी कर रहे हैं। कई लोगों ने कमेंट कर कहा कि अदिति ने दिव्या के किरदार को प्रभावशाली तरीके से पेश किया है। वहीं कईयों ने फिल्म की तारीफ की। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह तीन मुख्य किरदारों दिव्या, नेहा और सुरेखा के इर्द-गिर्द घूमती है।

राजस्थान की 16 साल की दिव्या (अदिति भाटिया) डांस और ऑनलाइन रील बनाने की शौकीन है। उसके माता-पिता उसकी आदतों से खुश नहीं हैं, लेकिन जब वह रशीद नाम के लड़के से मिलती है, तो उसे लगता है कि वह उसके जीवन का सही साथी है। रशीद उसे शादी के बाद पूरी आजादी देने का वादा करता है, लेकिन असलियत कुछ और ही होती है। मध्य प्रदेश की नेहा (ऐश्वर्या ओझा) एक एथलीट है, जो बड़े सपनों के साथ अपने भविष्य को संवारने की कोशिश करती है। उसे फैजान नाम के लड़के से प्यार हो जाता है, जो शुरुआत में अपना असली मकसद छुपाता है। वहीं, केरल की सुरेखा (उल्का गुप्ता) यूपीएससी की तैयारी कर रही होती है, जो पत्रकार बनने के बहाने सलीम से मिलती है। शुरू में सब कुछ सामान्य लगता है, लेकिन धीरे-धीरे तीनों लड़कियों का जीवन बदलता है और उन्हें धर्मांतरण और धार्मिक दबाव का सामना करना पड़ता है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे इन तीनों लड़कियों को प्यार और शादी के बहाने फंसाया जाता है। 'द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड' 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

प्यार का रूप बदलता रहता है, यह उम्र बढ़ने के साथ और भी खूबसूरत हो जाता है : सौरभ शुक्ला

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले अभिनेता और फिल्ममेकर सौरभ शुक्ला का मानना है कि उम्र के साथ प्यार कम नहीं होता, बल्कि वह और भी गहरा, खूबसूरत हो जाता है। उनकी नई फिल्म 'जब खुली किताब' इसी विचार को केंद्र में रखकर बनी है, जिसमें एक बुजुर्ग दंपति की खुशहाल शादी की कहानी दिखाई गई है। 6 मार्च को जी5 पर रिलीज फिल्म में गोपाल और अनुसूया नामक एक बुजुर्ग जोड़े की जिंदगी की कहानी दिखाई गई है, जो सालों से साथ निभा रहे हैं। फिल्म की कहानी में दिखाया गया है कि सब कुछ सेटल लगता है, लेकिन अचानक एक पुराना राज खुलने से उनके रिश्ते में उथल-पुथल मच जाती है। इस दौरान प्यार, लंबे समय का साथ, माफी और एक-दूसरे को फिर से समझने की कोशिश की भावनाएं दिल को छू लेती हैं। कहानी में कॉमेडी के साथ-साथ भावुक पल भी हैं। अभिनेता सौरभ शुक्ला ने बताया कि फिल्म बढ़ती उम्र में रोमांस और साथ रहने के विषय को खूबसूरती से दिखाती है, जो हिंदी सिनेमा में अभी भी बहुत कम देखने को मिलता है। स्क्रिप्ट लिखते समय कई लोगों ने उनसे पूछा था कि क्या युवा दर्शक बुजुर्ग कपल की कहानी पसंद करेंगे? लेकिन सौरभ को इस पर कभी शक नहीं हुआ।

उन्होंने बताया, फिल्म में उम्रदराज कपल बाहर से भले ही बड़े लगें, लेकिन मन से वे जवान हैं। जब कोई भावनात्मक बदलाव आता है, तो उनकी युवा दिनों की भावनाएं फिर जाग उठती हैं। वे बच्चों की तरह लड़ते हैं, एक्सप्रेस करते हैं और इमोशंस बाहर निकालते हैं। ऐसे में यंगस्टर्स भी इस कहानी के साथ आसानी से जुड़ सकते हैं, क्योंकि यह दो बूढ़े दिखने वाले युवा दिलों की कहानी है। सौरभ ने आगे कहा, सिनेमा में प्यार को ज्यादातर जवानी से जोड़ा जाता है। युवावस्था में प्यार ज्यादा फिजिकल और हार्मोनल होता है, जिसमें एक्साइटमेंट, जल्दबाजी और शारीरिक आकर्षण ज्यादा रहता है।

प्रदर्शन

लखनऊ में सोमवार को हिंदू संगठनों के सदस्यों ने रैपर और गायक बादशाह के हाल ही में रिलीज़ हुए हरियाणवी लोक गीत ''टटीरी' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि गाने के बोल अश्लील, भद्दे और आपत्तिजनक हैं।

महिलाओं के लिए खास मुहिम, 'सेल्फी लो, शाइन करो' में दिखेंगी शिल्पा शिंदे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे इन दिनों टेलीविजन सीरियल 'भाभी जी घर पर हैं' को लेकर चर्चा में हैं। अब वे विमेंस डे के मौके पर एंड टीवी की एक खास पहल में शामिल हो रही हैं। इस पहल का नाम है सेल्फी लो, शाइन करो। यह अभियान महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ाने और खुद को सेलिब्रेट करने के लिए बनाया गया है। शिल्पा शिंदे इस मुहिम में हिस्सा लेंगी और महिलाओं को प्रोत्साहित करेंगी। यह कार्यक्रम 7 और 8 मार्च को लखनऊ के एक बड़े मॉल में होगा। शिल्पा वहां पहुंचकर लोगों से बात करेंगी, सेल्फी लेने में मदद करेंगी और इस पहल की भावना को फैलाएंगी। शिल्पा शिंदे ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, मैं सच में मानती हूं कि कॉन्फिडेंस इस बात से शुरू होता है कि हम खुद को कैसे देखते हैं। मुझे बहुत खुशी है कि एंड टीवी ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहा है, जहां महिलाओं को न सिर्फ सेलिब्रेट

किया जाता है, बल्कि उन्हें देखा और पहचाना भी जाता है। उन्होंने आगे कहा, मैं लखनऊ में सभी से मिलने और इस खूबसूरत पहल का हिस्सा बनने का इंतजार कर रही हूं। यह महिलाओं को अपने तरीके से चमकने के लिए प्रोत्साहित करता है। सेल्फी लो, शाइन करो, स्टार बन जाओ का यह अभियान महिलाओं के लिए मजेदार और अच्छा महसूस कराने वाला है। महिलाएं मॉल में खास इंस्टॉलेशन पर सेल्फी क्लिक कर सकती हैं और एंड टीवी को टैग करके शेयर कर सकती हैं। इससे उन्हें चमकने का मौका मिलेगा। 8 मार्च को चुनी गई कुछ महिलाओं को शिल्पा शिंदे से मिलने का मौका मिलेगा। एक लकी विनर को एंड टीवी के आने वाले एपिसोड में दिखाया जाएगा, जो उनकी सेल्फी को स्टार मोमेंट में बदल देगा।

एंड टीवी की चीफ चैनल ऑफिसर और जी5 की हिंदी बिजनेस हेड कावेरी दास ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, एंड टीवी में हम सिर्फ मजबूत महिलाओं की कहानियां नहीं दिखाते, बल्कि उनके लिए असली प्लेटफॉर्म बनाते हैं। यह विमेंस डे इनिशिएटिव सेलिब्रेशन से आगे बढ़कर असली विजिबिलिटी लाने का हमारा तरीका है। उन्होंने आगे जोड़ते हुए कहा, महिलाओं को चैनल पर फीचर होने और दिखाए जाने का मौका देकर हम एम्पावरमेंट को और मजबूत कर रहे हैं। यह कॉन्फिडेंस, मौके और ऐसे पलों के बारे में है जो सच में मायने रखते हैं।

मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी : दिव्या अग्रवाल

मुंबई/एजेन्सी

रियलिटी शोज की दुनिया हमेशा से ड्रामा, रणनीति और कड़ी टक्कर के लिए जानी जाती है। इन शोज में हिस्सा लेने वाले कलाकारों को सिर्फ मानसिक ही नहीं, बल्कि शारीरिक रूप से भी काफी मेहनत करनी पड़ती है। कई बार यह अनुभव कलाकारों के लिए सीख से भरा होता है। इसी कड़ी में रियलिटी शो 'द 50' से बाहर होने के बाद अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने दिए इंटरव्यू में बड़ा बयान दिया। उन्होंने खुलकर बताया कि शो का अनुभव उनके लिए कैसा रहा और अब वह अपने करियर को किस दिशा में आगे बढ़ाना चाहती हैं। दिव्या अग्रवाल ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, ''मुझे इस बात की खुशी है कि मैं अब इस शो से बाहर आ चुकी हूं। यह शो काफी हद तक मेल डॉमिनेटेड था और इसमें बहुत ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी शामिल थी। शो में हर कोई खुद को नोटिस करवाने की कोशिश कर रहा था। इसी वजह से कई बार कंटेस्टेंट्स एक-दूसरे के बारे में अजीब और अनचाही बातें भी कह देते थे। यह माहौल कई बार असहज कर देने वाला होता था।'' दिव्या ने आगे कहा, ''मैंने यह शो अपने फैंस की वजह से किया था। लंबे समय से मेरे फैंस मुझसे कह रहे थे कि मुझे एक और रियलिटी शो में हिस्सा लेना

चाहिए। इसी वजह से मैंने 'द 50' में हिस्सा लेने का फैसला किया था।'' उन्होंने कहा, अब मैं किसी भी तरह का रियलिटी शो नहीं करूंगी। मेरा ध्यान सिर्फ और सिर्फ अभिनय पर रहेगा।

मैं अपने एक्टिंग करियर पर पूरा फोकस करना चाहती हूं।'' दिव्या अग्रवाल के करियर की बात करें तो उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी पहचान एक रियलिटी शो कंटेस्टेंट के तौर पर बनाई। साल 2017 में उन्होंने 'एमटीवी स्प्लिट्सविला 10' में हिस्सा लिया था।

इस शो में वह अभिनेता प्रियांक शर्मा के साथ रनर-अप रहीं और यहीं से उन्हें बड़ी पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने कई रियलिटी शोज और टीवी प्रोजेक्ट्स में काम किया और धीरे-धीरे दर्शकों के बीच लोकप्रिय होती चली गईं।

2018 में दिव्या ने 'एमटीवी ऐस ऑफ स्पेस' में हिस्सा लिया और इस शो की विजेता बनीं। इस जीत ने उन्हें टीवी इंडस्ट्री में और मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में डेब्यू किया और हॉरर वेब सीरीज 'रागिनी एमएमएस: रिटर्न्स' के दूसरे सीजन में नजर आईं। उनके करियर में बड़ा मोड़ तब आया वह 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 1' की विजेता बनीं। इस जीत के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ और उन्हें कई वेब सीरीज, म्यूजिक वीडियो और अन्य प्रोजेक्ट्स के ऑफर मिलने लगे।

हनुमंतनगर में तेरापंथ महिला मंडल ने मनाया विश्व महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ महिला मंडल हनुमंतनगर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर 'गृहलक्ष्मी स्वाभिमान अभियान' के तहत एनजीओ मीट व दीक्षार्थी परिवार को प्रेरणा सम्मान से सम्मानित किया गया। महिला मंडल की अध्यक्षा संगीता तातेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए मंडल के कार्यों की जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट की रतनीबाई मेहता उपस्थित थीं। रतनीबाई ने महिला शक्ति को जागरूक करते हुए कहा कि हर एक महिला को अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए अर्थात आत्मनिर्भर होना चाहिए। समाज में भी अपनी एक पहचान बनानी चाहिए। रोटरी क्लब इनरव्हील से जुड़ी अंजू गादिया ने इनरव्हील संस्था से जुड़ने का आह्वान किया। रतनी बाई व अंजू गादिया को एनजीओ प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। पूर्व अध्यक्ष रेखा पोरवाल, मंजू दक, कांता धोका, मंडल सदस्या रेणु बैद, सुमित्रा कटारिया, सविता बच्छावत, डिंपल सियाल ने अपने विचार व्यक्त किए।

दीक्षार्थियों का परिचय विभिन्न सदस्याओं ने दिया। सभी दीक्षार्थी परिवार जनों को महिला मंडल द्वारा 'प्रेरणा सम्मान' से सम्मानित किया गया। कोषाध्यक्ष मोनिका गादिया ने जैन विद्या की परीक्षा के बारे में जानकारी दी। मंत्री पपीता दक ने धन्यवाद दिया। संचालन सविता बच्छावत ने किया ।

'शब्द' के वसंतोत्सव में हुई फूलों की बरसात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गत रविवार को प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्था 'शब्द' के वसंतोत्सव में फूलों की बरसात देखने को मिली।अवसर मासिक रचनागोष्ठी का था, जिसमें रचनाकारों ने वसंत पर विविध भाव-व्यंजना की कविताएँ सुनाईं और फूलों की होली खेली। विश्व महिला दिवस के अवसर पर आयोजित वसंतोत्सव की मुख्य अतिथि बेंगलूरु की प्रसिद्ध समाजसेवी एवं स्वयंसेवी संस्था 'मातृछाया' की संस्थापिका एवं मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी थीं और विशिष्ट अतिथि थीं मुंबई से पधारीं कवयित्री डॉ कनकलता तिवारी। कार्यक्रम की अध्यक्षता 'शब्द' की कार्यकारी अध्यक्ष नलिनी पोपट ने की तथा संचालन किया वरिष्ठ कवयित्री विद्या कृष्णा ने।

मुख्य अतिथि त्रिशला कोठारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि होली का पर्व उल्लास मनाने का है। इसके कई रूप हो सकते हैं। हम अपनी साथियों के साथ जरूरतमंदों की मदद कर हर दिन होली का उल्लास मनाते हैं। मुझे यह देखकर अच्छा लग रहा है कि 'शब्द' के लोगों में भी बहुत उल्लास है। विशिष्ट अतिथि कनकलता तिवारी ने भी अपनी भावपूर्ण कविताओं से प्रभावित किया। कार्यक्रम के आरंभ में 'शब्द' के सलाहकार श्रीकान्त पाराशर ने त्रिशला कोठारी का परिचय देते हुए उनके अहर्निश सेवा कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। 'शब्द' के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने स्वागत संबोधन में मौजूदा समय को कविता के लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने युद्ध की विभीषिका पर एक ओजस्वी कविता भी सुनायी।

कविगोष्ठी का आगाज युवा कवि दीपक सोपोरी के कन्नड़ वाग्देवी-वंदना से हुआ। वरिष्ठ नाटककार मथुरा कलौनी, नलिनी पोपट, प्रीति राही, राही राज, सुचित्रा कौल मिश्र, माधुरी सुबोध और दीपक सोपोरी की कविताएँ श्रोताओं द्वारा सराही गयीं। विद्या कृष्णा का सधा हुआ संचालन प्रभावी था। उन्होंने तरन्नुम में ग़ज़लें सुनाकर भी खूब वाहवाही लूटी। राजेंद्र गुलेच्छा, रमाकांत गुप्ता, गीता चौबे गूँज तथा श्रीकांत शर्मा की रचनाओं का जादुई असर श्रोताओं पर साफ दिखा। उर्मिला श्रीवास्तव उर्मि, ऋता शेखर, अचला प्रवीण, भूमिका श्रीवास्तव, उषा गुप्ता की काव्य-प्रस्तुतियाँ भी अच्छी रहीं। कार्यक्रम में कवयित्री ऋता शेखर मधु की दुर्गा सप्तशती का हिंदी कुंडलियों में किया गया भावानुवाद-पुस्तिका का लोकार्पण भी हुआ। वसंतोत्सव में 'शब्द' के सलाहकार और वरिष्ठ संपादक श्रीकान्त पाराशर, लखनऊ से पधारे वरिष्ठ पत्रकार नागेंद्र, टीवी पत्रकार धनाराम चौधरी और अशोक कुमार आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। 'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकान्त शर्मा के आभार ज्ञापन से समापन हुआ। फूलों की होली से वसंतोत्सव का समापन हुआ ।

जैन मिशन हॉस्पिटल के निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 105 महिलाएं हुई लाभान्वित

चिकबल्लापुर/दक्षिण भारत। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को महिलाओं के सम्मान में चिकबल्लापुर स्थित जैन मिशन हॉस्पिटल ने महिलाओं के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का निशुल्क आयोजन किया। इस शिविर में 105 महिलाओं ने 'हेल्दी विमेन, हेल्दी फ्यूचर' थीम के तहत 3 हजार रुपए मूल्य की कीमत वाला 'कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ स्क्रीनिंग पैकेज' बिल्कुल निशुल्क उपलब्ध करवाया। ट्रस्ट द्वारा प्रायोजकों की मदद से आयोजित इस पहल में अस्पताल की ओर से 42 ज़रूरी हेल्थ पैरामीटर जैसे लिपिड प्रोफाइल, रक्तगणना, टीएसएच, पीएपी, कॉल्पोस्कोपी, ब्रेस्ट कैंसर परीक्षण, अल्ट्रासाउंड आदि विभिन्न जांच की गई। शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश मेहता, ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेश जैन, चेयरमैन डॉ नरपत सोलंकी, मंत्री उत्तमचन्द कोठारी, कोषाध्यक्ष गुलाब पगारिया, सहमंत्री मनीष जैन, ट्रस्टी प्रकाश चौपड़ा, राकेश चौपड़ा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शीतलाष्टमी

मण्डया शहर के किक्केरी में राजस्थानी समुदाय की महिलाओं ने शीतला माता का पूजन किया। महिलाएं पारम्परिक साड़ी में श्रृंगार कर हाथों में पूजा सामग्री का थाल लेकर शीतला माता मन्दिर पहुंची। महिलाओं ने शीतला माता को ठंडे पकवानों का भोग लगाया और पथवारी की पूजा कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

गणगौर व्रत एवं उद्यापन विधि पुस्तिका का विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के माध्यम महिला मंडल की अध्यक्षा संतोष शर्मा की अध्यक्षता में रविवार को सूर्य मंदिर पर गणगौरव्रतियों के लिए सूर्यव्रत उद्यापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। सन्तोष शर्मा द्वारा गणगौर व्रत उद्यापन विधि, गीत, ईश्वर गणगौर पूजन सामग्री सहित संपूर्ण जानकारी से संबंधित एक पुस्तिका का विमोचन किया गया।

सूर्य मंदिर पर महिलाओं ने सूर्य भगवान को रोट (प्रसाद) अर्पण कर पूजा की। महिला मण्डल द्वारा सामूहिक गणगौर व्रत उद्यापन का आयोजन सूर्य मंदिर पर होगा।

सभी महिलाओं को गणगौर व्रत एवं उद्यापन विधि की पुस्तिका का निःशुल्क वितरण किया गया। इस अवसर पर चंद्रा शर्मा, संतोष शर्मा, इंद्रा शर्मा, सरिता शर्मा सहित अनेक महिला सदस्याएं उपस्थित थीं।

होली स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जेपी नगर स्थित एक होटल में कर्नाटक मारवाड़ी समाज का होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बॉलीवुड जेमिंग सेशन ने समां बांध दिया। सदस्यों ने संगीत की धुनों पर जमकर नृत्य किया। सभी सदस्यों परिवारों ने एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली कीशुभकामनाएं दी। अध्यक्ष प्रवीण तुलस्यान ने सभी का स्वागत किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शीतला माता

मैसूरु के रामकृष्ण नगर स्थित शीतला माता मंदिर के प्रांगण में सोमवार के दिन राजस्थानी समुदाय की महिलाओं ने पारम्परिक वेशभूषा धारण कर हाथ में पूजन थाल लेकर मंगल गीत गाती हुई शीतलाष्टमी के मौके पर शीतला माता की पूजा की और ठंडे पकवानों का भोग अर्पण किया।

पानी पर तैरता सीएनजी स्टेशन

नमस्कार प्रतिमा वाला नमो घाट

अस्सी घाट पर गंगा आरती का मनोरम दृश्य

आधुनिकता, आध्यात्मिकता व पर्यटन की दृष्टि से लबरेज हैं बनारस के घाट

हाथ जोड़कर अपनी ओर आकर्षित करता है 'नमो घाट'

देवेंद्र शर्मा
dakshinbharat.com

बनारस। नमो घाट बनारस की प्राचीन आध्यात्मिकता और आधुनिक वास्तुकला का एक अद्भुत मिश्रण है। नमो घाट सुबह की सैर और शाम के खूबसूरत नज़ारों के लिए बेहतरीन जगह है। यहाँ से गंगा नदी का बहुत ही शानदार दृश्य दिखाई देता है, साथ ही ओवर रेलब्रिज व रोडब्रिज इसकी खूबसूरती को चार चांद लगा देते हैं। यह घाट आदि केशव घाट के पास स्थित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2018 में नमो घाट परियोजना की आधारशिला रखी थी। यह घाट 21,000 वर्ग मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त घाट हैं, जिसमें पर्यटकों के लिए एक दर्शन दीर्घा (व्यूइंग) डेक, एक कैफेटेरिया और एक पार्किंग स्थल जैसी सुविधाएं बनाई गई हैं। इस घाट का मुख्य आकर्षण तीन विशाल मूर्तियां हैं जो हाथ जोड़कर 'नमस्ते' का भाव दर्शाती हैं, जो अतिथि देवो भवः के विचार को भी प्रदर्शित करती हैं। यहाँ नमो घाट पर गंगा की ओर झुकते हुए नमस्ते की मुद्रा में कई विशाल प्रतिमाएँ स्थापित की गई हैं, जो आगंतुकों का स्वागत करती नजर आती हैं।

गंगा नदी में प्रदूषण को कम करता हुआ 'पहला तैरता सीएनजी स्टेशन'

वैसे तो बनारस आध्यात्मिकता, धर्म, संस्कार व बाबा भोलेनाथ का शहर है, परन्तु इन दिनों हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का लोकसभा क्षेत्र होने के कारण यह नवाचारों का केन्द्र बन गया है।बनारस एक ऐसा शहर बन गया है जहां आधुनिकता अब आध्यात्मिकता के साथ कंधे से कंधा मिलकर चल रही है। उसी नवाचार में सबसे नया नवाचार है मां गंगा की निच्छल लहरों पर तैरता प्राकृतिक गैस 'सीएनजी' स्टेशन। वाराणसी में दुनिया का पहला फ्लोटिंग सीएनजी स्टेशन हैं, जिसे गेल इंडिया लिमिटेड ने गंगा नदी में प्रदूषण कम करने के लिए बनाया है। नमो घाट और रविदास घाट पर मौजूद इस तरह के तैरते सीएनजी स्टेशन लगभग 17.5 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए हैं। इन तैरते सीएनजी स्टेशनों पर 900+ से ज़्यादा, सीएनजी प्रणाली में बदली हुई नावों को सीएनजी ईंधन दिया जाता हैं, जिससे हवा और आवाज़ के प्रदूषण में काफ़ी कमी आई है। जानकारी के अनुसार पहला सीएनजी स्टेशन नमो घाट (पहले खिरकिया घाट कहलाता था) पर है और दूसरा रविदास घाट पर है। हर स्टेशन रोज़ाना 300-400 नावों को भर सकता है, जिनकी क्षमता 4,000-5,000 किलोग्राम प्रति दिन है। इस प्रोजेक्ट में नावों के लिए मुफ़्त सीएनजी किट इंस्टॉलेशन की सुविधा भी है। गेल इंडिया लिमिटेड ने एक्राफ्रंट इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर इन स्टेशनों को बनाया है।

बनारस यात्रा को पूर्णता प्रदान करती है अस्सी घाट की 'गंगा आरती'

बनारस तो घाटों की ही नगरी है। नमो घाट से घाटों की शुरुआत होती है और लगभग अस्सी घाट तक जाते जाते यह घाट श्रृंखला समाप्त हो जाती है।वाराणसी में अस्सी घाट, गंगा और असि नदी का संगम स्थल है, जो अपनी सुप्रसिद्ध सुबहा-ए-बनारस (सुबह की आरती) के लिए जाना जाता है। यह आरती सुबह लगभग 5 बजे (सूर्योदय) के आसपास मंत्रोच्चार और शंखनाद के साथ होती है, जो आध्यात्मिक शांति प्रदान करती है। यहाँ नाव से आरती देखना एक अनोखा अनुभव है। पत्र सूचना कार्यालय(पीआईबी) बेंगलूरु की सहायक निदेशक करिश्मा पंत के नेतृत्व में कर्नाटक से लगभग 10 पत्रकारों के दल ने अस्सी घाट का दौरा किया तथा जानकारियां प्राप्त की।

काशी के पांच प्रमुख तीर्थ स्थलों में से अस्सी घाट में, स्नान अनिवार्य माना जाता है। अस्सी घाट पर्यटकों के लिए एक शांत और सांस्कृतिक केंद्र है, जो दशाश्वमेध घाट की तुलना में कम भीड़भाड़ वाला है। शाम ढलते ही अस्सी घाट का दृश्य अत्यंत मनोहारी और आध्यात्मिक हो जाता है। शाम को लगभग 6.30 बजे से गंगा आरती के आरंभ होते ही घाट के वातावरण में श्रद्धा, शांति और पवित्रता की विशेष अनुभूति होने लगती है। श्रद्धालुओं द्वारा नदी के किनारे दीप प्रज्वलित किए जाते हैं, जबकि विशेष पुजारियों द्वारा गंगा तट पर एक तय प्लेटफार्म पर पारंपरिक, धार्मिक रूप में विशेष शैली में गंगा माता की आरती की जाती है। मंत्रोच्चार व शुद्धिकरण के साथ शुरु होने वाली गंगा आरती जैसे जैसे आगे बढ़ती है, श्रद्धालुओं में अद्भुत उर्जा भरने वाली बनती जाती है। आरती के दौरान घाट पर उपस्थित श्रद्धालुओं की भीड़ भक्ति में झूम उठती है और पूरा वातावरण आध्यात्मिकता से सराबोर हो जाता है। आरती के दौरान सुनाई देने वाली घंटियों की ध्वनि, मंत्रोच्चार और भजन पूरे वातावरण को आध्यात्मिक भाव में डुबो देते हैं। गंगा के किनारे जलते हुए दीपकों की रोशनी व पंडितों द्वारा की जाने वाली गंगा आरती मानव मन में एक अनुपम स्फूर्ति का संचार करती है। बनारस में काशी विश्वनाथ के दर्शन से शुरु होने वाली धार्मिक यात्रा शाम को गंगा आरती से ही पूर्ण होती है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**